दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 231/ पृष्ठ 8 / मूल्य₹ 2। 10

संस्थापक- स्व। सुरेंद्र पटेल

▪आर। एन। आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 27 मार्च 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakashÐ in

सांध्यप्रकाश विशेष

वाट्सएप मैसेज खंगाल कर सरकार काला धन का पता लगा रही: निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वाट्सएप, इंस्टाग्राम आदि पर आप भी मैसेज भेजते होंगे। उस पर आप अपनी निजी जानकारी भी किसी से शेयर करते होंगे। अभी तक ऐसा करते रहे हैं तो संभल जाइए। सरकार टैक्स चोरों या ब्लैक मनी रखने वालों को पकड़ने के लिए सोशल मीडिया मैसेज को भी खंगाल रही है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में इसका खुलासा किया है। उन्होंने लोकसभा में इनकम टैक्स बिल, 2025 के बारे में बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार टैक्स चोरी रोकने के लिए नए तरीके अपना रही है। सीतारमण ने बताया कि गूगल मैपस की मदद से उन जगहों का पता चला जहां लोग कैश छिपाते थे। इंस्टाग्राम अकाउंट्स से बेनामी संपत्ति के मालिकों का पता लगाया गया। वाट्सएप मैसेज से क्रिप्टो एसेट्स से जुड़े 200 करोड़ रुपए का काला धन पकड़ा गया। उन्होंने बताया, एनक्रिप्टेड मैसेज से 250 करोड़ रुपये का काला धन मिला। क्रिप्टो एसेट्स के वाट्सएप मैसेज से सबूत मिले हैं। वाट्सएप से 200 करोड़ रुपए का काला धन पकड़ा गया। इसका मतलब है कि टैक्स अधिकारी अब टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके टैक्स चोरों को पकड़ रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि टैक्स अधिकारियों को डिजिटल रिकॉर्ड देखने का अधिकार देना जरूरी है। इससे टैक्स चोरी और धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि कोई भी वर्चुअल एसेट्स, जैसे कि क्रिप्टोकरेंसी, का इस्तेमाल करके टैक्स न बचा पाए। नए बिल के अनुसार, अधिकारियों को ईमेल, वाट्सएप और टेलीग्राम जैसे कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म्स को एक्सेस करने का अधिकार होगा। वे बिजनेस सॉफ्टवेयर और सर्वर भी देख सकेंगे, जिनका इस्तेमाल वित्तीय लेनदेन को छुपाने के लिए किया जाता है। सीतारमण ने कहा कि सरकार टेक्नोलॉजी के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि टैक्स कानून आधुनिक हों और टैक्स चोरी करने वालों को पकड़ा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का यह कदम टैक्स भरने वाले ईमानदार लोगों के लिए है, ताकि कोई भी टैक्स चोरी करके बच न सके। सरकार हर तरह से टैक्स चोरी रोकने के लिए तैयार है।

भारत दौरे पर आएगी अर्जेंटीना फुटबॉल टीम, लियोनेल मेसी की कप्तानी में खेला जाएगा मुकाबला

नई दिल्ली। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना फुटबॉल टीम लियोनेल मेसी की अगुवाई में भारत का दौरा करेगी। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने अक्टूबर में एक प्रदर्शनी मैच के लिए भारत आने की पुष्टि की है। यह दौरा 2026 विश्व कप क्वालीफिकेशन से पहले टीम के वैश्विक पहुंच बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। मेसी के भारतीय प्रशंसकों के लिए यह खास होगा, क्योंकि उन्होंने आखिरी बार 2011 में कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ खेला था। एएफए अध्यक्ष क्लाउडियो फैबियन तापिया ने इसे अंतरराष्ट्रीय विकास में अहम कदम बताया। उन्होंने कहा, यह भारत और सिंगापुर जैसे देशों में नए अवसर खोलेगा। हम 2025-2026 में अपनी मौजूदगी मजबूत करेंगे। एएफए के वाणिज्यिक अधिकारी लिआंड्रो पीटरसन ने कहा, 2021 से हमने भारत में संभावनाएं तलाशी हैं और स्थानीय फुटबॉल समुदाय से जुड़े हैं। हमारा उद्देश्य अर्जेंटीना का बेहतरीन फुटबॉल प्रशंसकों तक पहुंचाना है।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत से मोड़ा मुंह, यूएई को बनाया अपना होम ग्राउंड

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) अब तक भारत को अपना घरेलू मैदान मानता रहा है, लेकिन नोएडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच रद्द होने के बाद उसने बड़ा फैसला लिया है। एसीबी ने अगले पांच साल तक अपनी घरेलू सीरीज संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में आयोजित करने का निर्णय किया है। खबरों के अनुसार, कानपुर, नोएडा और लखनऊ में मैदान उपलब्ध कराने की बात चली थी, लेकिन रद्द हुए मैच से हुए वित्तीय नुकसान और बीसीसीआई के प्रबंधन से नाराजगी के कारण एसीबी ने यह कदम उठाया। अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के साथ बातचीत के बाद अबू धाबी को चुना गया, जहां मेहमान टीमें द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए आएंगी। यूएई अब अफगानिस्तान के लिए प्रशिक्षण शिविरों, ए-टीम फिक्सचर और आयु-समूह टूर्नामेंटों का केंद्र भी होगा। दोनों बोर्ड सीनियर टीम की सीरीज के लिए भी सहयोग करेंगे। एसीबी प्रमुख नसीब खान ने कहा, ÷अबू धाबी के साथ यह साझेदारी हमारे क्रिकेट के लिए मील का पत्थर है। हमें यहां शानदार सुविधाएं मिलेंगी। इसे दूसरा घर बनाना हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा, यूएई ने हमें अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाई है। मैं ईसीबी और सभी सहयोगियों का शुक्रिया अदा करता हूं। अबू धाबी हमारा प्रशिक्षण आधार बनेगा, जो अफगान क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और देश में खेल का भविष्य संवारेगा।

अयोध्या: 6 अप्रैल को दोपहर 12 बजे होगा रामलला का सूर्य तिलक

अयोध्या। राम जन्मोत्सव के दिन रामलला के सूर्य तिलक की व्यवस्था स्थायी हो गई है। इस रामनवमी से लगातार 20 सालों तक रामजन्मोत्सव पर सूर्य की किरणें रामलला का अभिषेक करेंगी। मंदिर के शिखर से सूर्य की किरणों को गर्भगृह तक लाया जाएगा। इसके लिए खास तरह के मिरर और लेंस लगाए जा रहे हैं। रुड़की के वैज्ञानिकों की टीम अयोध्या पहुंच गई है और सूर्य तिलक के लिए उपकरण लगाने का काम शुरू कर दिया है। वैज्ञानिकों के अनुसार अगले 19 सालों तक सूर्य तिलक का समय हर साल बढ़ता जाएगा।

वैज्ञानिकों की टीम ने इसके लिए एक प्रोग्राम विकसित कर कम्प्यूटर में फीड कर दिया है। इस बार रामजन्मोत्सव का पर्व छह अप्रैल को मनाया जाएगा। इस दिन ठीक दोपहर 12ः00 बजे रामलला का सूर्य तिलक होगा।

इस तरह होगा सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए आईआईटी रुड़की ने एक खास ऑप्टो मैकेनिकल सिस्टम तैयार किया है। इसमें मंदिर के तीसरे तल पर लगे दर्पण पर सूर्य की किरणें पड़ेंगी। दर्पण से 90 डिग्री पर परावर्तित होकर ये किरणें एक पीतल के पाइप में जाएंगी। पाइप के छोर पर एक दूसरे दर्पण से सूर्य किरणें एक बार फिर से परावर्तित होंगी और पीतल की पाइप के साथ 90 डिग्री पर मुड़ जाएंगी। दूसरी बार परावर्तित होने के बाद सूर्य किरणें लंबवत दिशा में नीचे की ओर चलेंगी। किरणों के इस रास्ते में एक के बाद एक तीन लेंस पड़ेंगे, जिनसे इनकी तीव्रता और बढ़ जाएगी।

चंद्र कैलेंडर से निर्धारित होती है राम नवमी की तारीख

भारतीय खगोलीय भौतिकी संस्थान बंगलूरू के रिसर्च के मुताबिक, हर साल सूर्य तिलक का समय बढ़ता जाएगा। 19 साल तक टाइम कुछ न कुछ बढ़ेगा। उसके बाद फिर से 2025 की रामनवमी की तरह ही रिपीट होगा। यानी 2025 रामनवमी को सूर्य तिलक जितनी देर का होगा। 19 साल बाद 2044 में भी उतनी ही देर के लिए सूर्य तिलक होगा। राम नवमी की तारीख चंद्र कैलेंडर से निर्धारित होती है। वैज्ञानिकों के अनुसार एस्ट्रोनॉमी के क्षेत्र में भारत के प्रमुख संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स ने चंद्र व सौर कैलेंडरों के बीच जटिलतापूर्ण अंतर के कारण आने वाली समस्या का समाधान किया है।

शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस खारिज

धनखड़ बोले- गृह मंत्री ने कोई उल्लंघन नहीं किया

नई दिल्ली। राज्यसभा में कांग्रेस की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ लाए गए विशेषाधिकार हनन के नोटिस को सभापति जगदीप धनखड़ ने खारिज कर दिया। सभापति ने कहा कि गृह मंत्री ने कोई उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने अपने बयान को प्रमाणित करने के लिए 1948 की एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति का हवाला दिया था। इसमें कहा गया था कि एक कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के प्रबंधन का हिस्सा थे।

मंगलवार को आपदा प्रबंधन विधेयक 2024 पर बहस के जवाब के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि कांग्रेस के शासनकाल में पीएम राहत कोष बनाया गया था और इस सरकार के कार्यकाल के दौरान, पीएम केयर फंड शुरू किया गया। कांग्रेस के शासनकाल में इस फंड पर सिर्फ एक परिवार का नियंत्रण था।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी पर आरोप लगाने के लिए शाह के खिलाफ नोटिस पेश किया। यह विशेषाधिकार हनन का नोटिस राज्य सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम 188 के तहत दिया गया है। नोटिस में कहा गया कि चर्चा के दौरान भले ही गृह मंत्री ने सोनिया गांधी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने सोनिया गांधी का उल्लेख किया और प्रधानमंत्री राहत कोष (एनपीएमआरएफ) के कामकाज को लेकर आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन को वर्चुअल रूप से शुभारंभ किया

प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान का उपयोग बढ़ाएंगे

भोपला। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में कहा कि प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान का उपयोग बढ़ाएंगे। इसके साथ ही वैज्ञानिक समाज और विज्ञान प्रौद्योगिकी से जुड़े संस्थानों के सहयोग से मध्य प्रदेश में इसरो की तरह एक केंद्र के विकास पर भी विचार किया जाएगा। वर्तमान में दक्षिण भारत ही ऐसी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। उत्तर और मध्य भारत में इस तरह के केंद्र का अभाव है। चिकित्सा के क्षेत्र में भी विज्ञान का प्रयोग बड़ा है।कृषि क्षेत्र में ड्रोन का उपयोग हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विज्ञान प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारी सनातन संस्कृति भी विज्ञान आधारित है। हम अनेक शुभ कार्य नवग्रह पूजन से प्रारंभ करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि विक्रम संवत 2082 आ रहा है। हम सभी उज्जैन को काल गणना के केंद्र के रूप में जानते हैं। इस संबंध में भी निरंतर अनुसंधान हो रहा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ अनिल कोठारी ने कहा कि प्रदेश में इस तरह के वैज्ञानिक सम्मेलन किए जाएंगे। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री राकेश सिंघई, विक्रमादित्य शोध पीठ के निदेशक और मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार श्री श्रीराम तिवारी विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय महासचिव श्री विवेकानंद पई ,भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के एमेरिट्स वैज्ञानिक श्री सुधीर मिश्रा और राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र हैदराबाद के निदेशक डॉ प्रकाश चौहान भी सम्मेलन में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन/ विज्ञान उत्सव और चालीसवें मध्य प्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन का वर्चुअल रूप से शुभारंभ किया। यह सम्मेलन कालिदास अकादमी परिसर उज्जैन में हो रहा है।

सहायता अनुदान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवास पर गौतम परिवार को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा अनुदान का एक करोड़ रुपए का चेक प्रदान किया। ग्राम गदरा जिला मऊगंज में कर्तव्य निर्वहन करते हुए शहीद हुए पुलिस उप निरीक्षक रामचरण गौतम के परिवार को यह राशि सौंपी गई।

मुख्यमंत्री आज झाबुआ और अलीराजपुर के प्रवास पर

सामूहिक विवाह सम्मेलनों में होंगे शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव झाबुआ और अलीराजपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। वे यहां मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलनों में शामिल होंगे और नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। झाबुआ में आज 1932 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे, जबकि अलीराजपुर में में 1369 जोड़ों का विवाह संपन्न होगा। झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना ने बताया कि जिले में आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनान्तर्गत विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री 1932 जोड़ों को सुखद वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद देंगे।

जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले पर केंद्रीय कानून मंत्री से मिला बार एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल, हड़ताल जारी

नई दिल्ली। जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर किए जाने की सिफारिश होने के बाद से मामला तूल पकड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के फैसले के विरोध में इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकीलों की बेमियादी हड़ताल का गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी है। आज भी हाईकोर्ट के गेट नंबर 3 पर वकील विरोध प्रदर्शन करेंगे। वहीं केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल मिला है। अधिवक्ता पूरी तरह से न्यायिक कामकाज का बहिष्कार कर रहे हैं। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट तबादले का विरोध कर रहा ह। वकीलों ने कैश कांड के आरोपों में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को लेकर आर पार की लड़ाई का ऐलान किया है।

केंद्रीय कानून मंत्री से मुलाकात की

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने सीजेआई से कोलेजियम के फैसले पर पुनर्विचार करने की भी अपील की है. केंद्र सरकार से दखल देने की भी अपील की है। प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात के दौरान बार एसोसिएशन के विरोध और वकीलों के आंदोलन के बारे में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को अवगत कराया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष सीनियर एडवोकेट अनिल तिवारी ने जानकारी दी है। उन्होंने फोन पर बताया कि केंद्रीय कानून मंत्री से वार्ता बेहद सकारात्मक रही है। कानून मंत्री ने वकीलों का पक्ष पूरे ध्यान से सुना है। केंद्रीय कानून मंत्री ने सभी बिंदु अपने स्टाफ को नोट कराए. अनिल तिवारी ने कहा कि वार्ता से उम्मीद जगी है कि केंद्र सरकार इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकीलों की समस्या को लेकर गंभीर है।

राहुल को साथी सांसद की सलाह

लोकतांत्रिक मानदंडों के हिसाब से बर्ताव करें, अधिक समझदारी दिखाएं

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। बीते दिन लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने राहुल को नियमों का पालन करने की नसीहत दी थी। इसके बाद उन्होंने सदन से बाहर आकर कहा था कि मैंने तो कुछ भी नहीं किया। मैं चुपचाप बैठा हुआ था। अब विपक्षी गठबंधन इंडिया में कांग्रेस की साथी पार्टी माकपा ने सांसद ने राहुल को अहम सलाह दी है। माकपा सांसद पी. संदोष कुमार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर कहा, %अगर आप मुझसे व्यक्तिगत रूप से पूछें, तो यह मेरी पार्टी की राय नहीं है। बात यह है कि राहुल गांधी को अधिक ईमानदारी से और लोकतांत्रिक मानदंडों के अनुरूप व्यवहार करना चाहिए।

बंगाल में फिर बवाल भाजपा नेता अर्जुन सिंह के आवास के बाहर बमबाजी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों को निशाना बनाए जाने का सिलसिला जारी है। बीती रात उत्तर 24 परगना में भाजपा नेता अर्जुन सिंह के आवास को निशाना बनाया गया। उपद्रवियों ने उनके घर के बाहर जमकर बवाल काटा। इस दौरान उनके आवास में देशी बम भी फेंके गए और गोलीबारी की गई। भाजपा नेता ने तृणमूल कांग्रेस के बेटे को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है।

चारधाम यात्रा 30 अप्रैल से, इस बार रील बनाने वालों की नो एंट्री

देहरादून। उत्तराखंड में 30 अप्रैल से शुरू हो रही चारधाम यात्रा में इस बार वीडियो रील बनाने वालों और यूट्यूबर्स की एंट्री रोकने की तैयारी है। केदारनाथ-बद्रीनाथ पंडा समाज ने तय किया है कि इस बार मंदिर परिसर में इन्हें नहीं आने देंगे। यदि कोई ऐसा करता मिला तो बिना दर्शन उसे लौटा दिया जाएगा। इस बारे में प्रशासन को भी बता दिया गया है।

केदारनाथ सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने बताया कि पिछले साल रील बनाने वालों के चलते काफी अव्यवस्था फैली थी। समुद्र तल से 12 हजार फीट ऊपर केदारनाथ धाम में ढोल नगाड़ों का शोर सिर्फ रील बनाने के लिए किया गया था। यात्रा शुरू होने के बाद 10 से 12 दिन तक पूरी शिवालिक पर्वतमाला में यह शोर गूंजता रहा।

2036 ओलंपिक मेजबानी की तैयारी में जुटा भारत!

भारत को खर्च करने पड़ सकते हैं 64 हजार करोड़; यह बजट पेरिस से दोगुना

नई दिल्ली। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी को लेकर जोर आजमाइश लगा रहा है। पिछले साल अक्तूबर में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को एक आशय पत्र भेजा था, जिसमें 2036 में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की रुचि व्यक्त की थी। अब एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि इस बहुराष्ट्रीय खेल आयोजन की मेजबानी में भारत को 34,700 करोड़ रुपये से 64,000 करोड़ रुपये के बीच खर्च आ सकता है। इस हफ्ते गांधीनगर में उच्च स्तरीय समन्वय समिति के साथ एक विचार विमर्श सत्र हुआ जहां समीक्षा बैठक- अहमदाबाद 2036 के लिए तैयारी शीर्षक वाला दस्तावेज पेश किया गया। इसमें 2036 ओलंपिक की मेजबानी के भारत के संकल्प को दोहराया गया।

नई अध्यक्ष कोवेंट्री का बयान

यह पूछे जाने पर कि मौजूदा राष्टपति थॉमस बाक के 23 जून को पद छोड़ने से पहले क्या भारत के प्रयास को त्वरित वार्ता में बदलने की कोई संभावना है? इस पर कोवेंट्री ने कहा, %यह एक प्रक्रिया है और यह प्रक्रिया जारी है और जहां तक मेरी जानकारी है अगले कुछ महीनों तक यह जारी रहेगी।% उन्होंने अपने चुनाव के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, %मुझे लगता है कि हमें भविष्य के मेजबान के चयन में सदस्यों को शामिल करने की आवश्यकता है और मेरे पास कुछ विचार हैं।

इन देशों ने अब तक दिखाई है रुचि

कोवेंट्री 23 जून को ओलंपिक दिवस पर बाक से आईओसी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालेंगी। कतर और सऊदी अरब समेत 10 से ज्यादा देशों ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए रुचि व्यक्त की है। हालांकि यह अभी तक पता नहीं चल सका है कि कितने या किन अन्य देशों ने आधिकारिक तौर पर ऐसा किया है। आशय पत्र प्रस्तुत करने के साथ ही भारत मेजबान चुनाव प्रक्रिया में अनौपचारिक वार्ता से सतत वार्ता चरण तक प्रगति कर चुका है।

2026 तक आ सकता है फैसला

इस चरण में आईओसी संभावित मेजबान के रूप में खेलों से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति का अध्ययन करती है। प्रक्रिया का अगला चरण लक्षित संवाद होगा, जिसके लिए एक संस्करण-विशिष्ट औपचारिक बोली प्रस्तुत की जाएगी। इसका मूल्यांकन भविष्य के मेजबान आयोग द्वारा किया जाएगा। यह प्रक्रिया अंततः एक मेजबान चुनाव के साथ समाप्त होगी। 2036 के मेजबान पर निर्णय 2026 से पहले आने की संभावना नहीं है।

जीवन कमल पत्र पर पड़ी पानी की बूंद से अधिक कुछ नहीं

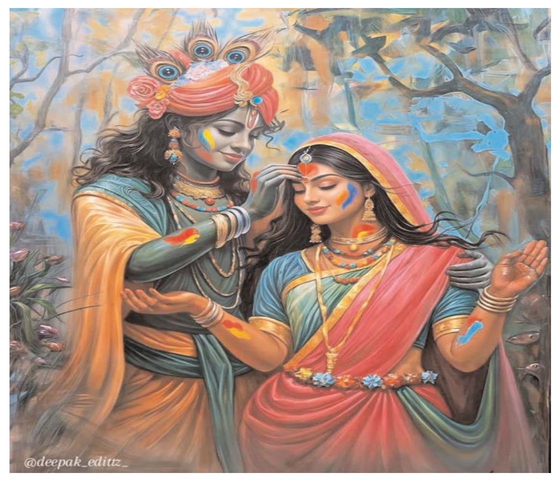

मानसानां पुनर्योनिर्दु:खानां चित्तविभ्रम:। अनिष्टोपनिपातो वा तृतीयं नोपापद्यते।। महाभारत, शांतिपर्व 28, 12 ऋषि अश्मा ने जनक के साथ संवाद करते हुए मानव मन की सुख दुखानुभूति को स्पर्श किया है। मनुष्यों को बार-बार होने वाले मानसिक दु:खों के दो ही कारण होते हैं - पहला चित्त का भ्रम और दूसरा अनिष्ट की प्राप्ति। तीसरा कोई कारण सम्भव नहीं है। ये दोनों कारण विषयों की आसक्ति से जुड़े होते हैं। अत: आसक्ति से बचना चाहिए और समय का सदुपयोग यह सोचकर करना चाहिए कि जीवन कमल पत्र पर पड़ी पानी की बूंद से अधिक कुछ नहीं है।

जाल नाटक में स्त्री की मनोदशा का किया बहुत ही प्रभावपूर्ण प्रदर्शन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व रंगमंच दिवस की पूर्व संध्या पर भोपाल आर्ट लोक स्टूडियोज ऑफ़ रीयलिस्टिक विजुअलाइज़ेशन संस्था द्वारा अपने तृतीय एकल रंगमंच समारोह सोलो सागा 3.0 का आयोजन 25 एवं 26 मार्च को संस्कार भारती में किया गया । समारोह के दूसरे दिन कमलेश दुबे द्वारा निर्देशित एकल नाट्य प्रस्तुति जाल का मंचन हुआ ।

जाल कहानी है एक स्त्री की जो अपने आस पास रिश्तों का एक जाल बुन लेती है और ज़िन्दगी भर उस जाल से निकलने की उधेड़बुन में लगी रहती है । जब भी वह इस जाल से निकलने की कोशिश करती है कोई ना कोई रिश्ता वापिस उसे वही खीच लेता है।

एकल रंगमंच समारोह सोलो सागा 3.0 का नाट्य प्रस्तुति जाल से समापन

स्त्री की इसी मनोदशा का बहुत ही प्रभावपूर्ण प्रदर्शन आरती विश्वकर्मा के द्वारा किया गया।

आयोजन के अंत में संस्था के अध्यक्ष अपूर्व दत्त मिश्रा ने सभी को विश्व रंगमंच दिवस की शुभकामनाएँ दी एवं बताया की सोलो सागा रंगमंच के क्षेत्र में उनका एक नया प्रयोग है जो एकल प्रस्तुतियों को प्रोत्साहन देता है ।

सोलो थिएटर में केवल एक अभिनेता या अभिनेत्री द्वारा पूरा नाटक प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें वह विभिन्न पात्रों, भावनाओं और परिस्थितियों को जीवंत करता है। सोलो थिएटर में अभिनेता को अपनी कला और अभिनय कौशल का पूरा प्रदर्शन करना होता है, क्योंकि वह अकेले ही दर्शकों को कथा से जोड़ता है। उन्होंने बताया कि वो बहुत जल्द अपनी एक और प्रायोगिक प्रस्तुति के साथ दर्शकों के समक्ष उपस्थित होगे ।

क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज युवा संगठन कोलार का होली मिलन प्रतिभा सम्मान समारोह 29 को

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज युवा संगठन कोलार रोड द्वारा हिन्दू नव वर्ष, होली मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 29 मार्च को किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हुज़ूर विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, मुलताई विधायक श्री चन्द्रशेखर देशमुख एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्री रविन्द्र यति उपस्थित रहेंगे। संगठन के सचिव राजू पाटनकर ने बताया कि राजहर्ष कॉलोनी स्थित एकता पार्क में 29 मार्च को सायं 6 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ होगा और यह आयोजन रात्रि 10 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, स्कूल एवं कॉलेज के छात्रों और विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले प्रतिभावानों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही सांस्कृतिक

राजहर्ष कॉलोनी स्थित एकता पार्क में होगा आयोजन

कार्यक्रमों के साथ होली मिलन का आयोजन भी होगा। जिसमें समाज के गणमान्य नागरिक, महिलाएं, बच्चे शामिल रहेंगे। उन्होंने बताया कि कोलार क्षेत्र में संगठन प्रतिवर्ष कार्यक्रम आयोजित करता है। जिसमें सभी समाजजनों का विशेष सहयोग रहता है। इस कार्यक्रम का यह तीसरा वर्ष है। इसको लेकर विशेष तैयारियां की गई है। कार्यक्रम में संगठन अध्यक्ष भोजराज मगरदे, उपाध्यक्ष दुर्गादास देशमुख सहित प्रकाश साबले, अमृतराव धाड़से, गणेश काले, अशोक धोटे, जगन्नाथ सातव, जगन मगरदे, रामकृष्ण काले सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार अरूण पटेल की सास का निधन

भोपाल। वरिष्ठ पत्रकार अरूण पटेल की सास एवं स्व. ओंकार सिंह रघुवंशी की पत्नी श्रीमती गीता रघुवंशी का मंगलवार सुबह निधन हो गया। वे 93 वर्ष की थीं। श्रीमती रघुवंशी का अंतिम संस्कार भदभदा विश्राम घाट पर किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र अजित रघुवंशी ने दी। इस अवसर पर विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे , कांग्रेस पार्षद गुड्डू चौहान, राकांपा (अजित) के राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्रजमोहन ीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार उमेश त्रिवेदी, विजयदत्त श्रीधर, एन.के.सिंह, सतीश सक्सेना, गिरीश उपाध्याय, राकेश अग्निहोत्री, विनोद तिवारी, संजय सक्सेना, नंदकिशोर मालवीय सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। दिवंगत आत्मा को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

सर्व ब्राहमण नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन

भोपाल। सर्व ब्राहमण सामाजिक विकास एवं सांस्कृतिक कल्याण समिति, करोंद, के तत्वाधान में नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन 30 अप्रेल 2025 को सभी के सहयोग से सम्मेलन का आयोजन कराने का निर्णय लिया गया है। यह जानकारी पंडित गौरीशंकर कक्का ने मीडिया को दी उन्होंने बताया कि अक्षय तृतिया दिन - बुधवार 30 अप्रेल 2025 को सर्व ब्राहमण नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन का पुन: आयोजन होने जा रहा है। रतन कॉलोनी ग्राउंड, करोंद में होगा।

सर्व विश्वकर्मा समाज समिति का होली मिलन समारोह संपन्न

भोपाल। सर्व विश्वकर्मा समाज समिति मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह दुर्गा धाम मंदिर अशोका गार्डन भोपाल मे संपन्न हुए, इस मोके पर सभी सामाजिक बंधु गण बहने बच्चे उपस्थित रहे सभी ने संकल्प लिया हम, आने बाले समय मे कार्यक्रमों मे घर मे सिंगल यूस प्लास्टिक नहीं लाएंगे, पर्यावरण की रक्षा के लिए काम करेंगे! इस अवसर पर श्री दिनेश विश्वकर्मा जी को युवा मण्डल जिला भोपाल का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया। संस्कृकतिक कार्यक्रम लोकगीत की धुन पर सभी झूमते गाते रहे,समाज को एक सूत्र मे बाँधने के लिए सभी समितियों के पदाधिकारियों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर, एकता का बचन भी दिया! सभी मिलकर समाज को आगे बढ़ाने एवं युवा वर्ग को रोजगार प्रदान करने बच्चियों, की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएंगे कार्यक्रम मे अधिक संख्या मे विश्वकर्मा बंधु उपस्थित रहे।

मध्य भारत के सबसे बड़े इनोवेशन कार्निवल नवोन्मेष 2025 का हुआ समापन

भोपाल। उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने अटल इंक्यूबेशन सेंटर-रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में आयोजित किए जा रहे मध्य भारत के सबसे बड़े इनोवेशन कार्निवाल नवोन्मेष 2025 का बुधवार को समापन हुआ। इस दौरान कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों में मध्य प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री चैतन्य कश्यप, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, स्कोप ग्लोबल स्किल विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, एआईसी-आरएनटीयू के निदेशक डॉ. नितिन वत्स, मप्र स्टार्टअप सेंटर की एग्जीक्यूटिव हेड डॉ. आभा ऋषि, आरएनटीयू के कुलगुरू प्रो आर.पी. दुबे, एसजीएसयू के कुलगुरु डॉ. विजय सिंह उपस्थित रहे। इस दौरान मध्य प्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री श्री चैतन्य कश्यप ने कार्यक्रम में बताया कि अंग्रेजों एवं मुगलों के आने से पहले से भारत में उद्यमिता की संस्कृति रही है तब हस्तशिल्प, कला, सिल्क, मेटल इत्यादि के कारीगर बड़ी संख्या में काम करते थे और व्यापारी इस सामान को देश-दुनिया तक बेचने जाते थे। उस समय भारत का दुनिया की जीडीपी में करीब 25 प्रतिशत का योगदान था। फिर आक्रमणकारियों और अंग्रेजों की नीतियों के चलते हमारे उद्योग खत्म हुए और हम नौकरी करने वाले बन गए। आज लेकिन भारत के प्रधानमंत्री और मप्र के मुख्यमंत्री के विजन के तहत हम लगातार उद्योगों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं जिसके तहत स्टार्टअप पॉलिसी को भी लॉन्च किया गया है। 100 करोड़ के फंड को भी रखा गया और उद्योगों के विकास के लिए संपूर्णता से कार्य किया जा रहा है जिससे अगले दो वर्षों में मप्र को देश का बेस्ट स्टार्टअप स्टेट बनाया जा सके। साथ ही उन्होंने श्री संतोष चौबे द्वारा किए गए कार्यों को सराहा और कहा कि उन्होंने तब आईसेक्ट नाम का यह स्टार्टअप किया जब स्टार्टअप का नाम भी नहीं था।

बोरवन पार्क में मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने दिया वन विभाग को सुझाव

संत हिरदाराम नगर। संत नगर की शान बोरवन पार्क को और अधिक सुविधायुक्त बनाने हेतु बोरवन क्लब प्रयासरत रहता है। आज सुबह जब पार्क वन विभाग की ओर से श्वेत पट्ट सुझावों हेतु लगाया गया था, जिसमें क्लब मेंबर विशेष आमंत्रित थे। सभी सदस्यों ने अपने अपने सुझाव दिए। क्लब अध्यक्ष जगदीश आसवानी ने मुख्य द्वार के समीप जहां पगड़ी रस्म हाल बना है उसके आस पास महिला व पुरुष शौचालय की नितांत आवश्यकता है। सड़क की खूबसूरती को बढ़ाने वाले कर्व स्टोन पूरे पार्क में लगे। क्लब के मीडिया प्रभारी रवि नारायण सतानी ने युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर ओपन जिम और महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग अलग योगा शेड बने है। योग में उपयुक्त होने वाले आसान, योग मैट आदि का वहन न करना पड़े जिसके लिए एक संयुक्त स्टोर रूम का निर्माण हो इसे सार्थक सुझाव रखे। क्लब के समस्त अधिकारी सदस्यगणों ने दिए गए सुझावों पर जल्द अमल करने का आग्रह विभाग से किया है। जगदीश आसवानी, शेट्टी चंदनानी,सुरेश गेहानी,पप्पू भैया,दिनेश सोनी, भाऊ पारस होटल वाले,शिली,हरियाली भाई मौजूद रहे।।

रामकथा में सुनाया केवट संवाद

भोपाल। श्री राम कथा में हिंदू सनातनी कुंभ में सनातन का चेहरा बहन हर्षा रिछारिया गुरुदेव का आशीर्वाद लिया श्री राम कथा गिरनार हिल्स में मैं तो देता हूं मैं पंडित जी ने कहा केवट संवाद सुनते हुए कहा हे प्रभु देना ही तो ऐसा आशीर्वाद दीजिए ताकि हमेशा संसार में मेरे काम का स्मरण होता रहे इस अवसर पर जिजमान आर.पी.तिवारी रमन तिवारी, एस.डी.चतुर्वेदी, अनिल दुबे,ओमप्रकाश भार्गव, ओंकार सिंह धाकरे, एन.के.रिछारिया,नागेंद्र सुरवंशी, विनोद पांडे,अजय लोखंडे, डॉ. शुशील तिवारी, सचिन पाठक, सोबेंद्र सोलंकी,अवधेश शुक्ला, इंद्रेश शर्मा,सुबोध लधेरीवाला, वीरेंद्र चौहान, मुकेश पाठक शुशील तिवारी,राजेंद्र अग्रवाल, शैलेश भगोरिया सीता राम शर्मा, रति राम परिहार ,अनुराग शर्मा, रोहित उज्जैनकर , विजय ठाकुर, संजीव खैरवार, अजय सिंह , शशि भूषण सिंह, शुभम सोनी,

योगेन्द्र रघुवंशी, जे के त्रिपाठी ,अमन गुर्जर, जितेन्द्र पाठक,रजनीश मिश्रा, अनिल चौरसिया , कैलाश मिश्रा,प्रदीप शर्मा,प्रशांत शर्मा, गोस्वामी जी,विनोद शर्मा, शैलेन्द्र झा, और सभी साथी व्यवस्था को संभला।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में एआई और मार्केटिंग प्रोडक्ट अलाइनमेंट पर सत्र का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में आईआईसी और ई-सेल ने इनोवेशन फॉर बिजनेस फिट के तहत एआई और मार्केटिंग प्रोडक्ट अलाइनमेंट पर एक प्रेरणादायक सत्र का आयोजन किया, जिसमें गणमान्य अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम में जीव सेवा संस्थान के सचिव श्री महेश दयारामानी, शहीद हेमू कालानी सोसाइटी के उपाध्यक्ष श्री हीरो ज्ञानचंदानी, संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज़ के प्राचार्य डॉ. अंकेश सिंह, संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. आशीष ठाकुर, संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री महेश दयारामानी के स्वागत उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने मुख्य वक्ता श्री ललित दीपक रुपानी का परिचय देते हुए उनकी विशेषज्ञता पर प्रकाश डाला। श्री ललित जो कि न्यू जर्सी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यूयॉर्क सिटी में एआई प्रोडक्ट मैनेजर हैं, उन्होंने एआई और प्रोडक्ट मार्केटिंग

के मूल सिद्धांतों पर चर्चा की और प्रोडक्ट-मार्केट फिट को समझने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने समस्याओं को हल करने की प्रमुख रणनीतियों, जैसे डबल डायमंड और डेल्टा 4 फ्रेमवर्क पर जानकारी साझा की और छात्रों को अनिश्चित परिस्थितियों में सफलता पाने हेतु सहनशीलता और दृढ़ता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। ब्लैक स्वान थ्योरी का उल्लेख करते हुए उन्होंने अप्रत्याशित चुनौतियों के लिए तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया। सत्र का समापन ज्ञानवर्धक चर्चा के साथ हुआ, जिसमें छात्रों को एआई, उत्पाद विकास और विपणन रणनीतियों के क्षेत्र में नवीन दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। अंत में, डॉ. डालिमा पारवानी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत कर सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को इस सफल आयोजन का हिस्सा बनने के लिए आभार व्यक्त किया।

अमर शहीद बीरबल ढालिया जन कल्याण परिषद के मार्गदर्शक चौहान ने आसरा वृद्धाश्रम में मनाया जन्मदिन

भोपाल। यू तो भोपाल शहर में समाज सेवा के रूप में अनेक समाजसेवी सेवा सहयोग कर रहे । इसी कड़ी में जीनगर समाज के वरिष्ठ समाजसेवी और अमर शहीद बीरबल ढालिया जनकल्याण परिषद के मार्गदर्शक पृथ्वीराज चौहान ने अपना जन्म दिन आसरा वृद्ध आश्रम में एक गरिमा मयी कार्यक्रम में वृद्ध जनो का गमछे भेंट कर आशीर्वाद लिया इस अवसर पर संस्था के संयोजक भगवानदास ढालिया ने जरूरतमंदों के बीच जाकर भारतीय संस्कृति में जन्मदिन मनाने के विचार का स्वागत कर श्री चौहान के दीर्घायु जीवन की कामना की इस अवसर पर किशोर चौहान ,अशोक सांकले, राजकुमार सांखला आदि उपस्थित थे।

रंगमंच समाज के मूल्यों, विश्वासों और संघर्षों का प्रतिबिंब: योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि दुनियाभर में हर साल 27 मार्च का दिन विश्व रंगमंच दिवस के रूप में मनाया जाता है। रंगमंच दुनिया भर में मौजूद अलग-अलग कलाओं, संस्कृति और परंपरा को लोगों तक पहुंचाने का बेहतरीन जरिया है। यह दिन थिएटर से जुड़े कलाकारों के लिए खास होता है। इस दिन उन्हें सम्मानित भी किया जाता है। कई लोग थिएटर का मतलब सिर्फ मनोरंजन से लगाते हैं, लेकिन इसके साथ ही थिएटर नाटकों के माध्यम से लोगों को सामाजिक समस्याओं के प्रति भी जागरूक करता है।

योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि रंगमंच सही वातावरण में मनुष्य के अंदर की आक्रामकता और तनाव को बाहर लाने में मदद करता है। युवाओं को जीवन जीने का ढंग सिखाता है और कठिन से कठिन स्थिति में भी हार न मानने के लिए प्रोत्साहित करता है। रंगमंच अवसाद से कहीं दूर ले जाता है। ये सकारात्मक ऊर्जा, अच्छी जीवन शैली और अनुशासन के महत्व से आपको रूबरू कराता है। रंगमंच में नृत्य, संगीत, चित्र, अभिनय सहित समस्त कलाओं और विभिन्न प्रकार के कौशलों का समावेश होता है । इसके साथ ही हम अपने जीवन में भी कई कौशल रंगकर्म के माध्यम से सीखते हैं। इसलिए अगर छोटी-सी नाटिका में भी हिस्सेदारी का अवसर मिले, तो उसे ज़रूर स्वीकार करें। रंगमंच से जुड़ी प्रस्तुतियां इंसान को जीवन के ढेर सारे रंगों में भिगोकर निखार देती हैं। अगर किसी मंझे हुए निर्देशक के साथ छोटी-सी भूमिका भी निभाने को मिले और उसे आप पूरी शिद्दत से, मंचीय प्रस्तुति के हर पक्ष को समझने, सीखने और आत्मसात करने के तौर पर लेती हैं, तो आप अपने व्यक्तित्व में बड़ा निखार पाएंगी। क्या-क्या सिखाता है रंगमंच, देखिए...कपड़े पहनने का आत्मविश्वास रंगमंच में कलाकार होने के नाते हर तरह की वेशभूषा को अपनाना पड़ता है। ऐसे में आपके अंदर हर तरह के कपड़े पहनने का

आत्मविश्वास स्वत- ही आ जाता है। स्त्री होते हुए भी एक पुरुष का किरदार निभा सकती हैं और यही रचनात्मकता हमारी सोच में बदलाव पैदा करती है, जब हम जेंडर का किरदार निभाते हैं तो हम व्यक्तित्व का विकास करना सीखते है। शारीरिक रूप से मज़बूती रंगमंच में जब हम किरदारों को आकार देते हैं तब हमको लंबे समय तक काम करने की आवश्यकता होती है। रंगकर्म के अभ्यास से शरीर में लचीलापन, समन्वय, संतुलन और नियंत्रण बनता है। इसी तरह रंगमंच हमारे मन, दिल, दिमाग़ के अलावा हमारे शरीर के लिए भी बेहद लाभदायक है। तनाव दूर करने में मददगार अभिनय और नाटक में व्यक्ति भावनाओं को महसूस करना, व्यक्त करना, दूसरों की भावनाओं को समझना, भावनात्मक समस्याओं से निपटना सीखते हैं । रंगमंच सही वातावरण में मनुष्य के अंदर की आक्रामकता और तनाव को बाहर लाने मे मदद करता है। युवाओं को जीवन जीने का ढंग सिखाता है और कठिन से कठिन स्थिति में भी हार न मानने के लिए प्रोत्साहित करता है। रंगमंच अवसाद से कहीं दूर ले जाता है। ये सकारात्मक ऊर्जा, अच्छी जीवन शैली और अनुशासन के महत्व से आपको रूबरू कराता है। उच्चारण बेहतर होता है किस डायलॉग को कैसे बोलना है, इसका बार-बार अभ्यास करना होता है। ऐसे में उच्चारण और स्वर का उतार-चढ़ाव यानी वॉइस मॉड्यूलेशन बेहतर होता है। नया करने के लिए ऊर्जा का होना जब हम किरदारों को जीवित करते हैं तब लिखे हुए शब्दों को वास्तविकता में जन्म दे रहे होते हैं। यहां चरित्र को उसकी परिस्थितियों के हिसाब से, नाटक के किरदारों के साथ तालमेल रखते हुए और बेहतर करने की कोशिश करते हैं। हर बार नया और नया करने की होड़ में हम हमेशा सीखते रहते हैं कुछ नया। रंगमंच हमेशा बेहतर और नया करने की ऊर्जा पैदा करता है।विश्लेषणात्मक सोच हमारे जीवन में शिक्षा में कला का होना भी बहुत महत्वपूर्ण और उपयोगी है।

पीएम आवास योजना का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने 31 मार्च तक पूर्ण करें सर्वे कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय वर्ग के सभी हितग्राहियों को पक्का आवास प्रदान करें। कोई भी हितग्राही आवास पाने से वंचित न रहे। किन्हीं भी कारणों से आवास पाने से छूट गये पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना की पात्रतानुसार सबको पक्के घर की सौगात दी जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने अभियान के मैदानी क्रियान्वयन से जुड़े सभी विभागीय अधिकारियों को अभियान तहत गांव और हितग्राही चयन का काम पूरा कर तय कार्य योजना एवं मापदंडों के अनुसार लक्षित क्षेत्रों में विकास कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभियान जनजातीय समुदाय के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्होंने अधिकारियों को अभियान में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव उर्जा श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि शमी, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य श्री गुलशन बामरा, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े, आयुक्त जनजातीय कार्य श्रीमन शुक्ल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान की अब तक की प्रारंभिक प्रगति एवं केन्द्र सरकार को अभियान के संदर्भ में भेजे गये विकास प्रस्तावों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जनजातीय गांवों, बसाहटों, मजरों टोलों में ज़रूरत वाले विकास कार्यों में गति लाने ठोस रणनीति बनाने पर जोर दिया। केंद्र सरकार के इस अभियान से राज्य सरकार जनजातीय समुदायों के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि जनजातीय वर्ग के लिए संचालित सभी योजनाओं का लाभ हर हितग्राही तक पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय ग्रामों में टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किए जाएं। गांव में मिट्टी का परीक्षण कर किसानों को बताया जाए कि उन्हें कौन सी फसल लगाना ज्यादा लाभदायक होगा। साथ ही टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सेमिनार आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनजातीय परिवारों के बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए शासकीय सहयोग से दुधारू गाय उपलब्ध कराई जाए। इससे जनजातीय वर्ग की माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय आबादी वाले 89 विकासखंडों में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए 31 मार्च 2025 तक सर्वे का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सबको पक्का आवास देने की मंशा से समर्पित होकर कार्य करें।

पारम्परिक उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग के लिए शुरू करें

ई-कॉमर्स सुविधा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय ग्रामों में रहने वाले लोगों को पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और बैठक जैसे आयोजन के लिए गांव-गांव में सामुदायिक भवन उपलब्ध कराए जाएं। यहां होने वाले आयोजनों से जनजातीय संस्कृति समृद्ध रहेगी। उन्होंने जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में प्रदेश के चयनित 11 हजार 377 जनजातीय ग्रामों में रहने वाले लोगों द्वारा उगाई जाने वाली रागी, कोदो-कुटकी जैसे मोटे अनाज (मिलेट्स) की खरीदारी शासन स्तर पर करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मोटे अनाज के विक्रय के लिए प्रदेश में विशेष मंडियां शुरू की जाए जिससे गांव के लोगों को उनकी फसल का उचित दाम मिले और बिचौलियों का नेटवर्क खत्म हो।

मत्स्य उत्पादन में निर्यात का दायरा बढ़ाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में ही मछलियों के बीज तैयार करने की व्यवस्था के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी से कार्य योजना तैयार की जाए। बैठक में प्रमुख सचिव मछुआ कल्याण एवं मत्स्य पालन श्री डीपी आहूजा ने अवगत कराया कि विभाग पारम्परिक मछुआरों को संरक्षण प्रदान करने के लिए योजनाओं पर कार्य कर रहा है। प्रदेश में हेचरी विकसित कर दूसरे राज्यों को मत्स्य-बीज बेचने से रोजगार एवं आय में वृद्धि होगी।

पत्रकार हैं लोकतंत्र के सच्चे सेनानी, उनके हित में कमेटी गठित की जाएगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी होते हैं। सरस्वती के साधक होने के साथ ही कड़ी मेहनत से सूचनाओं को आमजनों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुरैना जिला मुख्यालय पर श्रमजीवी पत्रकार संघ के त्रिवर्षीय दो दिवसीय महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा पत्रकारों के हित में जो मांगें रखी गई हैं, उसके निराकरण के लिये शासन स्तर से एक कमेटी का गठन किया जायेगा। इस कमेटी में श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारियों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों को शामिल कर पत्रकारों की समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संघ पत्रकारों के हित में कार्य करने वाला बहुत पुराना संगठन है। संगठन के अध्यक्ष शलभ भदौरिया पत्रकारों के हित में निरंतर कार्य करते रहते हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश भर में श्रमजीवी पत्रकार संघ कार्य कर रहा है। विधानसभा अध्यक्ष तोमर, विधायक दिनेश गुर्जर, सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष भदौरिया, आशीष अग्रवाल, पूर्व विधायक बलवीर डण्डौतिया, श्रमजीवी पत्रकार संघ के ग्वालियर-चंबल संभाग के प्रभारी सुरेश शर्मा, कार्यक्रम संयोजक राजकुमार दुबे, जिला अध्यक्ष रामशरण शर्मा एवं प्रदेश भर से आए पत्रकार साथी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र की सबसे जागरूक कौम है। श्रमजीवी पत्रकार संघ मध्यप्रदेश का सबसे पुराना संगठन है। संगठन के अध्यक्ष शलभ भदौरिया के नेतृत्व में प्रदेश भर में पत्रकारों के हित में यह संगठन कार्य कर रहा है। पत्रकार साथी निरंतर कार्य कर महत्वपूर्ण सूचनाओं को आम जन तक पहुँचाने के दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांत अध्यक्ष भदौरिया ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संगठन की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पत्रकार बीमा कराने की तिथि बढ़ाने की घोषणा की, जिसके कारण प्रदेश भर के पत्रकारों को लाभ हुआ है। उन्होंने इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पत्रकारों के हित में विभिन्न माँगों का एक ज्ञापन भी सौंपा। भदौरिया ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि पत्रकारों के हितों के लिये इन मांगों को प्रदेश सरकार शीघ्र पूर्ण करे। कार्यक्रम में प्रदेश भर के जिलों से आए श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्षों ने भी अपनी-अपनी बात रखी।

उप मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में घायल वार्ड पार्षद कुशलक्षेम जाना

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा प्रवास के दौरान नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक चार के पार्षद दारा सिंह के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि वार्ड पार्षद गतदिनों सड़क दुर्घटना में घायल हो गये थे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने वरिष्ठ अधिवक्ता घनश्याम सिंह के आवास पहुंचकर शोकाकुल परिजनों को ढ़ाढ़स बंधाया। उल्लेखनीय है कि गतदिनों भी घनश्याम सिंह ने नाती पार्थ सिंह का आकस्मिक निधन हो गया था।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा शहर में अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि रीवा शहर तेजी से आगे बढ़ता हुआ शहर है। यहां के निवासियों को मूलभूत सुविधाओं की सुनिश्चितता के उद्देश्य से तथा आगामी वर्षों में शहर की वृद्धि के उद्देश्य से विभिन्न आवश्यक कार्य कराये जा रहे हैं। शहर में मीठा पानी घर-घर तथा उपलब्ध हो इस लिए पानी की 12 टंकियों का निर्माण कराया जा रहा है ताकि पाइपलाइन से सभी जगह मीठे पानी की सप्लाई सुनिश्चित हो सके। उसके साथ ही सीवर लाइन का कार्य भी प्रगति में है।

राजनिवास सर्किट हाउस रीवा में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा वायपास के कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बिजली के खंभे विस्थापित कर कार्य की तेज प्रगति के निर्देश दिये। उन्होंने बेला-सिलपरा रिंग रोड के कार्य को गति देते की बात कही। शहर में आईटी पार्क निर्माण तथा केन्द्रीय लाइब्रोरी भवन का कार्य को तेजी से पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। शुक्ल ने सर्किट हाउस के नवीन भवन तथा रिवरफ्रंट के दूसरे चरण के कार्य को 15 अप्रैल तक पूर्ण कर लेने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिये। उन्होंने व्यंकट क्लब तथा पीडब्ल्यूडी भवन के निर्माण कार्य की अद्यतन प्रगति की भी जानकारी प्राप्त की तथा कार्य को तेजी से करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

धान उपार्जन में अनियमितताओं को लेकर 7 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन तथा अन्तर जिला/जिले में उपार्जन केन्द्रों से दी गई धान के सत्यापन एवं अन्य शिकायतों की जांच के लिये जांच दल गठित कर कार्यवाही करने के निर्देश जिला कलेक्टर्स को दिये गये हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने विस्तृत जांच के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि 7 दिन के अंदर विस्तृत जांच करायें।

जांच दल के अध्यक्ष कलेक्टर द्वारा नामांकित अपर/संयुक्त/डिप्टी कलेक्टर होंगे। जिला आपूर्ति नियंत्रक / खाद्य अधिकारी संयोजक होंगे। उप/सहायक आयुक्त सहकारिता/ महाप्रबंधक जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक जिला प्रबंधक मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन और जिला प्रबंधक मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स कार्पोरेशन सदस्य होंगे। जांच दल द्वारा उपार्जित धान, धान परिवहन, धान जमा, धान कमी की मात्रा, मिलर्स को भुगतान की स्थिति, मिलरवार धान प्रदाय की मात्रा, धान उठाव की मात्रा और मिलरवार सीएमआर जमा मात्रा की विस्तृत जांच की जाएगी। खाद्य मंत्री राजपूत ने कहा है कि गोदामों में धान कम मात्रा में जमा होने के कारणों की जांच कराई जायें एवं संबंधित उपार्जन समिति/परिवहनकर्ता आदि से शार्टेज मात्रा की वसूली कर संबंधित किसानों को भुगतान किया जाएं। उपार्जन केन्द्रों पर धान की शार्टेज मात्रा की प्रतिपूर्ति बाजार एवं अन्य माध्यमों से कदापि नहीं कराई जाये। उपार्जन केन्द्रों से धान परिवहन के लिये मिलर्स द्वारा उपयोग किये गये वाहन, परिवहन दिनांक एवं मात्रा की जानकारी सीएसएमएस पोर्टल पर उपलब्ध है। इससे धान परिवहन करने वाले वाहनों का विवरण प्राप्त किया जायें। उपार्जन केन्द्र

खाद्य मंत्री राजपूत ने दिए विस्तृत जांच के निर्देश

से उठाई गई धान परिवहन में उपयोग किये गये वाहनों की ट्रेकिंग एवं डाटा जिले से एवं टोल नाकों से प्राप्त करें। जिला परिवहन अधिकारी के माध्यम से धान परिवहन में उपयोग किये गये वाहनों की श्रेणी, प्रकार और लोडिंग क्षमता की जानकारी प्राप्त करें। इन बिन्दुओं पर जांच कर अनियमित्ता पायें जाने पर नियमानुसार तत्काल संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें। साथ ही जांच के दौरान जिला प्रबंधक सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन द्वारा मिलर्स को धान के नए डिलेवरी ऑर्डर जारी नहीं किये जाएंगे। जांच के बाद जो मिलर्स सही पायें जाएंगे उन्हें ऑर्डर दिये जायेंगे। धान उपार्जन वर्ष 2024-25 अभी तक प्राप्त अनियमित्ताओं की जांच के बाद 13 करोड़ 37 लाख 99 हजार शार्टेज की राशि वसूल की गई है। शेष 14 करोड़ 16 लाख रूपये की वसूली की कार्यवाही की जा रही है। कुल 7 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। जबलपुर जिले में 5, रीवा और मैहर जिले में 1-1 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

सृजन पोर्टल पर विद्यार्थी 19 अप्रैल तक कर सकेंगे नवाचारों के प्रोजेक्ट अपलोड

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कार्यक्रम सृजन पोर्टल पर, शोधार्थी विद्यार्थियों के नवाचारी प्रोजेक्ट्स विवरण अपलोड करने की सुविधा 25 मार्च से शुरू कर दी गई है। सृजन पोर्टल पर संबंधित संस्थाओं द्वारा अप्लाई किये जाने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तृत विवरण अपलोड करने की व्यवस्था की गई है। संस्थान अपने विद्यार्थियों के नवाचारी प्रोजेक्ट, सृजन कार्यक्रम के पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। विद्यार्थियों के नवाचारी प्रोजेक्ट्स विवरण 19 अप्रैल तक पोर्टल में जमा किए जा सकेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा अपलोडेड प्रोजेक्ट्स की प्रारंभिक समीक्षा 21 अप्रैल से शुरू होगी। प्रत्येक प्रोजेक्ट की टीम में 1 फैकल्टी मेंबर और अधिकतम 4 विद्यार्थी सम्मिलित हो सकेंगे। ज्यूरी के माध्यम से प्रत्येक श्रेणी में प्रथम 50 प्रोजेक्ट्स को चयनित किया जाएगा। डिस्प्ले योग्य 30 प्रोजेक्ट्स को प्रत्येक श्रेणी में डिस्प्ले के लिए अंतिम रूप से चयनित किया जाएगा। प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन शिक्षा और उद्योग विशेषज्ञों के संयुक्त दल द्वारा किया जाएगा। शीर्ष 150 प्रोजेक्ट्स का चयन कर अंतिम सूची 30 अप्रैल को जारी कर दी जाएगी। प्रदर्शनी स्थल पर सभी चयनित प्रोजेक्ट लीडर्स को 9 मई को रिपोर्टिंग करनी होगी। प्रदर्शनी का शुभारम्भ 10 मई को होगा। कार्यक्रम का समापन 11 मई को, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर किया जाएगा। सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए तीन प्रकार के मॉडल निर्धारित किए गए हैं। इसके अनुसार पहला मॉडल वर्किंग मॉडल है, इसमें प्रैक्टिकल एप्लीकेशन को दर्शाने वाले वर्किंग मॉडल डिसप्ले किए जा सकेंगे। दूसरा मॉडल डेमॉस्ट्रेटिव मॉडल है, इसमें प्रोजेक्ट वीडियो अथवा भौतिक प्रस्तुतीकरण किए जा सकेंगे। तीसरा मॉडल सिमुलेशन-आधारित प्रोजेक्ट्स हैं, इसमें प्रक्रियाओं, डिजाइनों या भविष्य की संभावनाओं को सिमुलेशन के माध्यम से प्रदर्शित करने वाले प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए जा सकेंगे। सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए, मॉडल की छः प्रकार की श्रेणियां भी निर्धारित की गई हैं। इनमें रूरल टेक्नोलॉजी, क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी, इंडस्ट्री 4.0/5.0, वेस्ट मैनेजमेंट, स्वास्थ्य विज्ञान/लाइफ साइंस एवं स्मार्ट एजुकेशन शामिल हैं।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रीवा के विस्तार भवन, कैंसर यूनिट और डॉक्टर्स क्वार्टस के निर्माण कार्यों को गति दें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

श्यामशाह चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन सुपर स्पेशलिटी विस्तार भवन, कैंसर यूनिट, तथा डॉक्टर्स क्वार्टस के निर्माण कार्य त्वरित गति से कराये तथा नियत समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरे करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा के सभागार में निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, संजय गांधी चिकित्सालय को सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है। नवीन आवश्यक भवनों के निर्माण के साथ ही चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता तथा डॉक्टर्स एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ के पदों की पूर्ति की जा रही है ताकि संभाग के किसी भी जिले के मरीज को इलाज के लिये बाहर न जाना पड़े और सभी प्रकार के रोगों का इलाज रीवा में हो सके। उप मुख्यमंत्री ने कैंसर यूनिट के निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि 20 करोड़ रूपये की लागत से कैंसर यूनिट का कार्य आगामी 6 माह में पूर्ण कर लिया जायेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा

कि कैंसर यूनिट की स्थापना के साथ ही कैंसर के इलाज के लिये 200 विस्तर का अस्पताल भी बनाया जायेगा। उन्होंने 35 करोड़ रूपये की लागत से निर्माणाधीन सुपरस्पेशलिटी विस्तार भवन कार्य की जानकारी ली तथा कार्य को गति देने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने डॉक्टर्स के लिये 35 करोड़ रूपये से निर्माणाधीन आवासीय क्वार्टस की प्रगति की समीक्षा के दौरान कार्य में धीमी प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की तथा निर्माण एजेंसी को निर्देश दिये कि अप्रैल माह के दूसरे सप्ताह में कार्य को पुनः समीक्षा करें तथा अपेक्षित प्रगति न होने पर एजेंसी को ब्लैकलिस्टेड करने की कार्यवाही प्रस्तावित की जाय। उन्होंने निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यों की सतत मानीटरिंग करें तथा प्रगति से अवगत करायें। उप मुख्यमंत्री ने बैठक के उपरांत निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती नीता कोल, डीन मेडिकल कालेज डॉ. सुनील अग्रवाल, एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, अधीक्षक संजय गांधी अस्पताल डॉ. राहुल मिश्रा, अधीक्षक सुपरस्पेशलिटी अस्पताल डॉ. अक्षय श्रीवास्तव सहित डॉक्टर्स व निर्माण के अधिकारी व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय रीवा में 100 बेड के विस्तार भवन तथा नवीन ओपीडी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने 10 करोड़ रूपये की लागत से बनाये जाने वाले विस्तार भवन एवं दोनों भवनों को जोड़ने वाले कारीडोर का निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने 8 करोड़ रूपये की लागत से बनाये जा रहे ओपीडी भवन का शीघ्र संचालन प्रारम्भ करने के निर्देश दिये। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा सहित निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर सर्वोच्च न्यायालय ने प्रकट किया खेद

न्यायाधीश की टिप्पणियों को बताया असंवेदनशील एवं अमानवीय दृष्टिकोण

कई बार अदालतों के सामने कुछ मामलों में कानून के बारीक बिंदुओं की व्याख्या करने में अड़चन आ जाती है, मगर यह ऐसा कोई मामला नहीं था, जिसमें कोई दिक्कत पेश आई होगी। फिर, अगर कहीं कोई संशय था, तो सुनवाई के बाद चार महीने तक फैसले को सुरक्षित रखा गया था, उस बीच उस पर विचार-विमर्श किया जा सकता था।

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करने की अपेक्षा की जाती है। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का एक नाबालिग के साथ यौन दुर्व्यवहार के मामले में आया फैसला उसी का ताजा उदाहरण है। अदालत ने इस संबंध में फैसला दिया कि संबंधित लड़की के साथ जो किया गया, उसे बलात्कार नहीं कहा जा सकता। उचित ही, स्वतः संज्ञान लेते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने इस फैसले पर रोक लगा दी है।

शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के इस फैसले पर खेद प्रकट करते हुए इसमें संवेदनशीलता की कमी रेखांकित की है और न्यायाधीश की टिप्पणियों को असंवेदनशील एवं अमानवीय दृष्टिकोण वाला बताया है। यह बात किसी को गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा।

महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया।

यह ठीक है कि कई बार अदालतों के सामने कुछ मामलों में कानून के बारीक बिंदुओं की व्याख्या करने में अड़चन आ जाती है, मगर यह ऐसा कोई मामला नहीं था, जिसमें कोई दिक्कत पेश आई होगी। फिर, अगर कहीं कोई संशय था, तो सुनवाई के बाद चार महीने तक फैसले को सुरक्षित रखा गया था, उस बीच उस पर विचार-विमर्श किया जा सकता था। महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील रहा है।

इसका बड़ा उदाहरण पिछले वर्ष देखा गया, जब तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश ने कुछ शब्दों को महिला सम्मान के विरुद्ध मानते हुए उनकी जगह सम्मानजनक शब्द सुझाए थे। कुछ अशोभन कहे जाने वाले शब्द, जो प्रायः महिलाओं से जुड़े मामलों में लंबे समय से अदालतों में प्रयुक्त होते आ रहे थे, उन्हें बदल दिया गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे शब्दों की सूची बना कर देश की सभी अदालतों में प्रसारित किया था। इसके बावजूद अगर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश ने महिला अस्मिता से जुड़े अहम पक्षों को सरसरी ढंग से देखने का प्रयास किया, तो उस पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं।

इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है। पहले ही महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतें दर्ज कराने को लेकर चुप्पी साध जाने या कदम वापस खींच लेने को लेकर चिंता जताई जाती रही है।

न्यायिक जीवन के मूल्य

राकेश दुबे

सर्वोच्च कहे जाने वाली न्यायपालिका के एक अंग दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास के एक स्टोररूम से कथित रूप से बेहिसाब नगदी की बरामदगी ने देश के जनमानस व न्यायिक बिरादरी को झकझोरा है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की एक जांच समिति गठित की है। वहीं पारदर्शिता सुनिश्चित करने और गलत सूचनाओं को दूर करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक की है। इस रिपोर्ट ने निष्कर्ष दिया है कि पूरे मामले की गहन जांच की आवश्यकता है। ऐसा जरूरी भी था क्योंकि उच्च न्यायपालिका की ईमानदारी और विश्वसनीयता दांव पर है।

हालांकि, न्यायाधीश ने दावा किया है कि उनके या परिवार के किसी सदस्य द्वारा स्टोर रूम में कभी कोई नकदी नहीं रखी गई थी। इस बयान ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। सवाल उठाया जा रहा है कि कड़ी सुरक्षा में रहने वाले सरकारी आवास में क्या बिना जानकारी के पैसा रखा जा सकता है? तो क्या किन्हीं आवासीय कर्मचारियों या बाहरी लोगों ने ऐसा कृत्य किया? यदि यह वास्तव में जज को फंसाने की सजिश थी, तो उसमें कौन लोग शामिल थे? निश्चित रूप से ऐसे सवालों का जवाब मिलने में विलंब से अविश्वास की धुंध और गहरी होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपनाए गए ऐतिहासिक-'न्यायिक जीवन के मूल्यों का पुनर्कथन' में यह निर्दिष्ट किया गया था कि किसी न्यायाधीश द्वारा ऐसा कोई कार्य या चूक नहीं होनी चाहिए, जो उनके उच्च पद और उस पद के प्रति सार्वजनिक सम्मान के अनुरूप न हो।' निस्संदेह, न्यायपालिका में जनता के विश्वास को कम करने वाले किसी भी विवाद की गहरी जांच होनी चाहिए। साथ यह भी जरूरी है कि जांच निर्धारित समय सीमा में अनिवार्य रूप से पूरी हो। वास्तव में सत्य, न्याय और न्यायिक जवाबदेही के हित में ऐसे मामलों में कार्यवाही को तेजी से आगे बढ़ाने का दायित्व अदालतों और जांच एजेंसियों का है।

वैसे ,शीर्ष अदालत ने विवादों में घिरे न्यायाधीश के प्रति सख्त रवैया अपनाते हुए उन्हें न्यायिक कामकाज से अलग रखने के निर्देश दिए हैं। सार्वजनिक विमर्श में उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट करने की चर्चा भी रही। इस मामले में शीर्ष अदालत ने जिस तरह तत्परता से कार्रवाई की और पारदर्शिता बनाये रखने के लिये कदम उठाए, उसे सराहा गया। यहां तक कि दिल्ली हाईकोर्ट ने जस्टिस वर्मा के घटनाक्रम से जुड़े कॉल्स सुरक्षित रखने को कहा है। यहां तक कि अदालत ने पिछले छह माह के कॉल रिकॉर्ड भी पुलिस से मांगे हैं। वहीं दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने पुलिस द्वारा रिकॉर्ड वीडियो, तस्वीरें व शुरुआती जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक विमर्श में ला दी है।

निश्चित रूप से न्याय की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति से बेदाग होने की उम्मीद की जाती है। सोशल मीडिया पर इस प्रकरण से जुड़ी सामग्री के वायरल होने के बाद लोग उम्मीद कर रहे हैं कि इस मामले में निष्पक्ष जांच होगी, ताकि सच सामने आ सके। यदि कोई साजिश है तो उसका खुलासा हो और यदि नहीं तो न्यायिक व्यवस्था की शुचिता अक्षुण बनाये रखने के लिये सख्त कार्रवाई की जाए। यह एक हकीकत है कि अन्याय के विरुद्ध उम्मीद की अंतिम किरण लेकर व्यक्ति न्याय की चौखट पर दस्तक देता है। यदि ऐसे प्रकरण सच साबित होते हैं तो उसके विश्वास को धक्का लगेगा। निस्संदेह, न्याय व्यवस्था का सवालों के घेरे में आना एक गंभीर मुद्दा है। इस घटनाक्रम से न्याय व्यवस्था पर छींटे आए हैं, उन्हें साफ करना जरूरी है।

संविधान के नाम पर कांग्रेस का दोहरा रवैया दुर्भाग्यपूर्ण

-ललित गर्ग-

कांग्रेस एक बार फिर संविधान को लेकर विवादों से घिर गयी है। संविधान के संबंध में कांग्रेस का दोहरा रवैया एवं चरित्र एक बार फिर देश के सामने आया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अक्सर हाथ में संविधान की प्रति लेकर भाजपा पर इसे बदलने का आरोप लगाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय अपनी हर सभा में इस आरोप को दोहराते रहे कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, इसका भाजपा को नुकसान भी उठाना पड़ा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस आज खुद संविधान बदलने की बात कर रही हैं। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ओबीसी कोटा के तहत पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण देने जा रही है, सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण के संदर्भ में जब उप-मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को यह याद दिलाया गया कि संविधान के तहत मजहब के आधार पर आरक्षण देना मुमकिन नहीं है, तब उन्होंने इशारा किया कि आरक्षण देने के लिए जरूरी बदलाव किए जाएंगे। शिवकुमार के इस बयान के बाद कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक फिर संविधान बचाने का सियासी अभियान हावी हो गया है। इस बार भाजपा आक्रामक है और उसने फिलहाल इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। इस वर्ष बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव का यह अहम मुद्दा बन जाये तो कोई आश्चर्य नहीं है।

मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये कांग्रेस सरकारें अपने-अपने राज्यों में अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं योजनाएं लागू करती रही हैं, कर्नाटक में भी वहां के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने सरकार का बजट पेश करते हुए मुस्लिमों के लिए कई घोषणाएं की। सीएम ने एलान किया कि सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में से 4 प्रतिशत अब श्रेणी-प्प् बी के तहत मुसलमानों के लिए आरक्षित होंगे। सरकार ने कहा कि मुस्लिम लड़कियों के लिए 15 महिला कॉलेज खोले जाएंगे। इसका निर्माण वक्फ बोर्ड की ही जमीन पर किया जाएगा, लेकिन सरकार इस पर पैसा खर्च करेगी। मौलवियों को 6000 मासिक भत्ता देने की भी व्यवस्था इस बजट में की गई है। कर्नाटक सरकार के बजट में दलितों और पिछड़ों के कल्याण के लिए समुचित बजट आवंटित नहीं हुआ लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते मुस्लिमों के लिये लुभावना बजट आवंटित किया गया है। जबकि सरकारों का काम किसी धर्म एवं समुदाय विशेष का तुष्टिकरण न होकर सभी समुदायों का पुष्टीकरण होना चाहिए। जब संविधान में धर्म आधारित आरक्षण का निषेध किया गया है तो फिर जानबूझकर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा इसे सूचीबद्ध करके विधि सम्मत क्यों बनाया जा रहा है?

दरअसल, भाजपा और कांग्रेस, दोनों देश की प्रमुख पार्टियों को यह एहसास हो चला है कि संविधान इस देश में बहुत संवेदनशील विषय है और इस पर लोग कतई समझौता नहीं करेंगे। संविधान केवल न्यायिक या वैधानिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह भारत की जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इस अर्थ में यह देश के जन-जन के मन का दस्तावेज है। संविधान भारत में सभी नागरिकों के लिए दिग्दर्शक तत्व है। इसलिए, प्रश्न यह उठता है कि जब संविधान इतना स्पष्ट है तो क्या संविधान की मूल भावना पर केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए आघात करना स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण है? दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पवित्र ग्रंथ पर भी विपक्षी दल एवं कांग्रेस अत्यंत निकृष्ट राजनीति करती जा रही है। जो कांग्रेस शासन में रहते हुए कभी संविधान का सम्मान नहीं कर सकी, वह आज विपक्ष में बैठकर यह भ्रम फैलाने में लगी है कि मोदी सरकार संविधान को खत्म कर देगी। सच तो यह है कि कांग्रेस जैसे दल आज अपने मूल राजनीतिक विचार को खो बैठे हैं। कांग्रेस अपने गांधीवादी विचार और समाजवादी पार्टी जैसे दल समाजवाद और राम मनोहर लोहिया के मूलभूत विचारों को भूल चुके हैं। संविधान को आधार बनाकर विपक्षी दल जनता को विभाजित करने, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने बाज नहीं आ रहे हैं। आश्चर्य नहीं, कांग्रेस ने संविधान को लेकर जो हथियार चलाया था, वही हथियार कर्नाटक में स्वयं कांग्रेस के विरुद्ध चला गया है। अब इससे होने वाले नुकसान का भान होते ही कांग्रेस तत्काल बचाव में लग गई। वैसे, शिवकुमार के स्पष्टीकरण के बावजूद भाजपा इस मुद्दे पर निशाना साध रही है, तो संकेत साफ है, वह सियासत का मौका जाने नहीं देना चाहेगी। वह संविधान बदलने और न बदलने पर फिर से गर्म हुई राजनीति को ठंडा नहीं होने देगी। बीते लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा निशाने पर थी, वहीं इस बार कांग्रेस निशाने पर आ गई है। लोकसभा-राज्यसभा में एवं इस वर्ष बिहार में होने वाले चुनावों में भाजपा कांग्रेस पर आक्रामक रहेगी। अब तो तीर कमान से निकल चुका है, भले ही अब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार सफाई देने में लगे हैं कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और वह संविधान में बदलाव का प्रस्ताव कभी नहीं रखेंगे। स्पष्ट है कि हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण का पक्षधर नहीं है। डॉ. भीमराव आंबेडकर भी ऐसे आरक्षण के हिमायती नहीं थे। संविधान सभा में एकमत के साथ यह तय हुआ था कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब अगर ऐसे आरक्षण की जरूरत पड़ने लगी है, या कांग्रेस मुसलमानों के वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिये आरक्षण का हथियार चलाती है तो संविधान में संशोधन तो करना ही होगा। अपने आजाद देश में जरूरतमंदों को आरक्षण देने के लिए करीब 12 बार संविधान में संशोधन किए गए है और मुस्लिमों को महज मजहबी बुनियाद पर आरक्षण देने के लिए भी ऐसी जरूरत पड़ेगी।

गांधी परिवार के अत्यंत करीबी कर्नाटक के डिप्टी सीएम के बयान को सुनकर लोग हैरत में हैं। लोग संविधान के खिलाफ धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कांग्रेस की कोशिश का विरोध कर रहे हैं। धर्म के आधार पर मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में संविधान की धज्जियां उड़ा दी है।' कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये देश को दांव पर लगाती रही है। एक बार फिर उसकी इस कोशिश से उसका असली चेहरा देश के सामने आया है। कांग्रेस भारत के संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही हैं, मुस्लिम आरक्षण को संविधान में जगह देकर संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफत की जा रही है। मुस्लिमों को आरक्षण असंवैधानिक हैं। कांग्रेस बार-बार मुस्लिम आरक्षण की वकालत कर संविधान की मूल भावना को चुनौती दे रही है। मुस्लिम वोटबैंक के लिए ऐसा किया जाना संविधान की मूल भावना से खिलवाड है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस पार्टी का रवैया आरक्षण को लेकर समय-समय पर बदलता रहा है। कभी उसने संविधान संशोधन की बात की, तो कभी आरक्षण का विरोध किया, तो कभी धर्म के आधार पर आरक्षण देने के प्रयास भी किए। आपातकाल के काले दौर में कांग्रेस द्वारा ऐसा भी किया गया, जब इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान की मूल प्रस्तावना ही बदल डाली। कांग्रेस नेता संविधान की किताब जेब में रखते हैं, लेकिन इसे कमजोर करने के लिए हरसंभव कोशिश भी करते हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष को पार्टी की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और देश को बताना चाहिए कि कांग्रेस मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव क्यों करना चाहती है?

कांग्रेस का रवैया हर प्रकार से संविधान विरोधी ही रहा है। संविधान को कमजोर करने वाले अनेक प्रयास कांग्रेस समय-समय पर करती आई है। कांग्रेस द्वारा अपने शासनकाल में इस पर संशोधन लाने का प्रयास किया गया कि सरकार संविधान में क्या-क्या परिवर्तन कर सकती है? स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए हमारा संविधान केवल सत्ता को साधने का एक उपकरण मात्र रहा है, संविधान के प्रति सम्मान की भावना कांग्रेस के चरित्र में नहीं है। जबकि वर्ष 2014 में सत्तारूढ़ होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संविधान के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की संकल्पना को पूरा करने के लिए प्रयासरत है। भारतीय संविधान और लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की मंशा से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं।

आपातकाल भुगत चुका देश भारत में ''लोकतंत्र'' अभी भी ''जीवित'' है

जस्टिस खन्ना का ऐतिहासिक अनहोनी कदम

राजीव खंडेलवाल

14 तारीख की रात्रि को लगभग 11.30 दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के दिल्ली के लुटियंस इलाके में 30 तुगलक लेन स्थित अधिकारिक निज निवास के आउट हाउस के सुरक्षा गार्ड क्वार्टर के बाजू के कमरे में उनकी व पत्नी की अनुपस्थिति में आग लग जाती है। (जो पूरे देश में आग लगा देती है)। घर का कर्मचारी न्यायाधीश के निज सचिव को आग की सूचना देता है। 11.43 को पीसीआर वैन को कॉल किया जाता है। फायर ब्रिगेड आती है, आग बुझा कर चली जाती है। पुलिस आती और चली जाती है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा 4.30 बजे दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से बातचीत कर वीडियो भेजने के साथ घटना की जानकारी देते हैं, जिसे मुख्य न्यायाधीश शाम को ही उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को प्रेषित कर देते हैं। वे तुरंत ही तत्पश्चात मुख्य न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को तीन बिंदुओं पर जस्टिस वर्मा का स्पष्टीकरण लेने को कहते हैं। स्पष्ट है, घटना का समाचार छपने के 24 घंटे के भीतर ही संबंधित लोगों को खबर होकर तंत्र सक्रिय हो जाता है, परंतु पुलिस तंत्र निष्क्रिय रहता है अथवा कर दिया जाता है?

घटना की रिपोर्टिंग 5 दिन बाद ''एकमात्र'' मीडिया हाउस द्वारा। प्रथम बार सुबह 19 तारीख को दिल्ली का प्रतिष्ठित अखबार टाइम्स आफ इंडिया में जस्टिस वर्मा के घर आग लगने की नोट जलने की जानकारी के साथ घटना के छपने से तीनों प्रकार की मीडिया सहित देश के राजनीतिक व न्यायिक क्षेत्र में आश्चर्य मिश्रित हाहाकार होकर ''आग'' लग जाती है। ''आग का कार्य ही आग लगाना होता है''। न्यायपालिका की निष्पक्षता और ईमानदारी पर प्रश्नों की बाढ़ आ जाती है। 'बाढ' आग को ठंडा करने की बजाय और जलाती है। तब टाइम्स ऑफ इंडिया प्रिंट मीडिया के एक हीरो के रूप में उभर कर सामने आता है। यह आकलन तब होता है, जब 19 तारीख से लेकर 21 तारीख तक देश के तीनों प्रकार के मीडिया में इस घटना की सत्यता खासकर नोट जलाने की घटना को लेकर ''परस्पर विपरीत दिशाओं'' में बहस चल निकलती है। ''अंधों के हाथी के सामान'' हर एक उसकी व्याख्या अपने ढंग से विशिष्ट स्वार्थ पूर्ति हेतु तथ्यों की उपेक्षा कर करने लगता है। यहां तक कि टाइम्स ऑफ इंडिया पर झूठा समाचार छापने के लिए कार्रवाई करने तक की बात कह दी जाती है। परंतु जैसे ही 22 तारीख को सुबह उच्चतम न्यायालय साहसिक रूप से ''आग के वीडियो'' के साथ उनके द्वारा की गई पूरी कार्रवाई को अधिकृत रूप से सार्वजनिक करता है, तब टाइम्स ऑफ इंडिया की न्यूज़ का महत्व समझ में आता है। साथ ही घटना की सत्यता के बाबत चल रही शंका-कुशंका, आरोप-प्रत्यारोप पर से पर्दा बहुत हद तक हट जाता है। जो पर्दा समस्त संबंधित व्यक्तियों, स्वयं आरोपी/भुक्तभोगी (विक्टिम) जज व पुलिस प्रशासन की चुप्पी के कारण गहराया हुआ था। क्योंकि ''गढ़ की शान कंगूरे बताते हैं'।

पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता एवं जांच में लापरवाही। घटना के संबंध में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई बिना किसी शक-शुबहा के बुरी तरह से पुलिस प्रशासन की गंभीर घोर लापरवाही व भूल (लेचेस) को प्रदर्शित करती है। आश्चर्यजनक रूप से कोई ''एफआईआर दर्ज नहीं'' होती है, और न ही कराई जाती है। घटना की जानकारी पड़ोस से लेकर देश में किसी को भी नहीं होती है। यह ''राज-ए-खामोशी नीम खता क्या है''? दिल्ली फायर सर्विस के डायरेक्टर का बयान आता है कि, घटना के समय कोई जले हुए नोट नहीं मिले, जबकि 500 की नोटों की 4-5 अधजली बोरियां मिलने की बात सामने आयी थी। लेकिन जैसा कहते हैं कि ''अंतर अंगुली चार का झूठ सांच में होय'',परंतु कुछ समय बाद ही बयान का खंडन भी आ जाता है कि मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया। नोटों की राशि के बाबत भी अलग-अलग आंकड़े आ रहे हैं, जिनका कोई आधार या सत्यापन नहीं है। पुलिस की तरफ से कोई प्रेस विज्ञप्ति या पत्रकार वार्ता न करना जो सामान्यतः ऐसे वीआईपी मामलों में होती आई है, घटना पर पड़े पर्दे को और गहरा करती है। पुलिस द्वारा तथाकथित जले हुए नोटों की कोई जप्ति न बनाना जैसा कि जस्टिस वर्मा ने अपने बचाव में लिखित कथन में स्टैंड लिया है, (यद्यपि पुलिस ने इस पर कोई स्पष्टीकरण आज तक नहीं दिया है) और न ही इस तरह के मामलों में नोट मिलने पर आयकर व अन्य विभाग ईडी इत्यादि द्वारा कोई कार्रवाई न करना जैसा कि इस तरह के मामलों में वे तुरंत कार्रवाई करने के लिए आ जाते हैं, घटना की निष्पक्ष व प्रभावी जांच पर गंभीर प्रश्न लगता है। ''घटनास्थल'' को आगे जांच के लिए सुरक्षित न रख पाना भी पुलिस प्रशासन की असफलता को ही दर्शित करता है, क्योंकि अगले दिन सुबह ही नौकर ने घटनास्थल को साफ कर दिया था।

जस्टिस वर्मा कहीं ''षड़यंत्र'' का शिकार तो नहीं?

घटना का दूसरा पक्ष जो मीडिया के एक वर्ग में रिपोर्ट भी किया जा रहा है कि जस्टिस वर्मा को साजिश के तहत फसाया गया। अर्थात ''चलती चक्की देख कर दिया कबीरा रोय'', जस्टिस वर्मा की कार्यप्रणाली, कार्यक्षमता, जजमेंटस् या ईमानदारी की ''प्राण प्रतिष्ठा'' के परसेप्शन पर प्रायः वकीलों ने कभी कोई आपत्ति नहीं की। हां घटना के तुरंत बाद मुख्य न्यायाधीश द्वारा जस्टिस वर्मा के दिल्ली से उनके मूल प्रदेश उत्तर प्रदेश स्थानांतरण करने की प्रस्तावित कार्रवाई एक ओर मुख्य न्यायाधीश के मामले के प्रति संवेदनशीलता व गंभीरता को इंगित करती है, तो वहीं दूसरी ओर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने इस प्रस्तावित स्थानांतरण के विरोध में धमकी भरा कड़ा ब्यान देते हुए यह कहा कि उत्तर प्रदेश कोई कचरे का स्थान नहीं है, जहां किसी भी जज को भेज दे। तथापि उच्चतम न्यायालय ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि स्थानांतरण प्रस्तावित करने की कार्रवाई का इस घटना से कोई संबंध नहीं है। जस्टिस वर्मा के ''वकील'' से उत्तर प्रदेश हाई कोर्ट के ''जज'' बनने के पहले उनके ऊपर एक सिंभावली शुगर मिल मिल्स के एक गैर कार्यकारी निदेशक के रूप में ''एफआईआर'' होने का मामला जरूर सामने आया था, जिसे बाद में सीबीआई ने उनकी जज की नियुक्ति के बाद समाप्त कर दिया था। जस्टिस वर्मा ने आग की घटना में जले नोटों से उनके किसी भी तरह के संबंधों से पूरी तरह से इनकार करते हुए मीडिया पर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया है।

उपसंहार। पूरे मामले का समग्र अध्ययन करने से अभी तक के उपलब्ध साक्ष्य व परिस्थितियों के आधार पर यह निष्कर्ष सामने आता है की एक तरफ जस्टिस वर्मा ''प्रथम दृष्टिया दोषी'' दिखते प्रतीत होते हैं, तो वहीं दूसरी तरफ वे प्रथम दृष्टिया किसी षड्यंत्र का शिकार होते भी प्रतीत दिखते हैं। प्रथम दृष्टिया दोषी होने की स्थिति का वर्णन स्वयं मुख्य न्यायाधीश ने आंतरिक जांच आदेश देते समय लिखा है। परंतु मेरे मत में मुख्य न्यायाधीश का ऐसा मानने का एक कारण आंतरिक जांच को उचित ठहरने के लिए भी हो सकता है। जले, अर्द्धजले नोटों का आधिकारिक निज निवास पर व घटना के 9वें दिन भी बाहर पाया जाना और फिर सुबह घटनास्थल को साफ कर तथाकथित रूप से साक्ष्य को मिटाया जाना, घटना के तुरंत बाद जस्टिस वर्मा का कोई इनकार का कथन न आना आदि आदि कारण जस्टिस वर्मा को कटघरे में अवश्य खड़ा करते हैं।

''प्रथम दृष्टिया निरापराध'' होने के पक्ष में स्टोर रूम जहां आग लगी थी, जो आउट हाउस के पास था, का ओपन एक्सेस होना, कोई भी व्यक्ति इतनी बड़ी तथाकथित राशि को इस तरह से खुले कमरे में नहीं रखता है, सबसे महत्वपूर्ण पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार की कोई जप्ति न बनाना, न माल खाने में जमा कराना जो ऐसे मामलों में आवश्यक होता है, घटना के समय जस्टिस वर्मा का बाहर रहना, वकीलों के बीच जस्टिस वर्मा की एक अच्छी रेपुटेशन, परसेप्शन, दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोशियेशन के अध्यक्ष का कथन जस्टिस वर्मा दिल्ली हाईकोर्ट के बेहतरीन जजों में से एक है। ये सब कारण उनकी निर्दोषता को सिद्ध करते हैं। साथ ही इस घटना को लेकर कॉलेजियम पर तेजी से उठ रहे प्रश्न वाचक चिन्ह? कहीं न कहीं इससे ''षड्यंत्र की बू'' आती है। कुछ लोग न्यायपालिका की घटना की जानकारी होने के बाद 7 दिन की चुप्पी पर प्रश्नवाचक चिन्ह उठाते हैं? शायद वह इसलिए कि देश के इतिहास में न्यायपालिका ने पहली बार आंतरिक कार्रवाई को सार्वजनिक किया। परंतु बड़ा प्रश्न यह है कि घटना की जानकारी देने का कार्य क्या मुख्य न्यायाधीश का था अथवा पुलिस प्रशासन का? मुख्य न्यायाधीश द्वारा घटना की जानकारी मिलने के बाबत तुरंत की गई कार्रवाईयों साथी न्यायाधीश को बचाने के लिए या उन्हें अंतिम अपराध के अंजाम तक पहुंचाने के लिए? बहरहाल ''ऊंट किस करवट बैठता है'', इसके लिए राम गोपाल वर्मा की सस्पेंस फिल्मों के अंतिम समय में आने वाले परिणाम हत्यारा कौन? को याद कर तदनुसार कुछ समय तक प्रतीक्षा अवश्य कीजिये !

कला और अभिव्यक्ति से विश्व को अनूठा संदेश

-ऋतुपर्ण दवे

आज विश्व रंगमंच दिवस है। रंगमंच कला के महत्व की जागरूकता बढ़ाजश्न मनाने का दिन है। रंगमंच शब्द ग्रीक शब्द %थिएट्रॉन% से लिया गया है जिसका अर्थ है देखने की जगह । भारत में रंगमंच का इतिहास बहुत पुराना है। भरत मुनि को नाट्यशास्त्र के लिए जाना जाता है।हमारेरंगमंचीय इतिहास बहुत पुराना है।शुरू से यही वो माध्यम है जिसे समझकर उसकेसौंदर्य और महत्व, के साथ मनोरंजन के माध्यम से दैनिक जीवन में जश्न यानी खुशी प्रदर्शित की जाती है। विश्व रंगमंच दिवसइसी का प्रतीक है। रंगमंच वह विधा भी है जिससे दुनिया भर की सरकारों, राजनेताओं, संस्थानों और हितधारकों को भी मंच के जरिए सूचित व सचेत किया जाता है कि समाज की ऐसी संस्थाओं और लोगों के प्रति कैसी जनधारणा है।

वास्तव में यह अभिव्यक्ति की वह कला है जिसमें कलाकार वास्तविक जीवन या घटनाओं का एक तरह से नाट्य रूपांतरण यानी रिक्रिएशनकरते हैं, दोहराते और याद दिलाते हैं। इसे मनाने की शुरुआत 1961 से हुई थी। 27 मार्च, 1962 को, विश्व रंगमंच दिवस अंतरराष्ट्रीय रंगमंच संस्थान केंद्रों, उसके सहयोगी सदस्यों, रंगमंच पेशेवरों और रंगमंच संगठनों द्वारा मनाया गया। अब,यह दिन विश्व के 90 से अधिक केंद्रों में मनाया जाता है, जिसमें दुनिया भर के रंगमंच विश्वविद्यालय, अकादमियाँ, स्कूल और रंगमंच प्रेमी शामिल होते हैं।संस्कृति, शिक्षा, शांति और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है इस दिन एक विशेष संदेश जारी किया जाता है, जो किसी प्रमुख रंगमंच हस्ती द्वारा लिखा जाता है। यह संदेश रंगमंच की भूमिका और इसके सामाजिक प्रभाव पर प्रकाश डालता है।हर वर्ष इसकी एक अलग थीम होती है। इस बार की थीम ÷रंगमंच और शांति की संस्कृति÷ है। जैसा कि नाम से ही साफ है, इस झुलसती और तृतीय विश्व युध्द की आहट के बीच बढ़ रही दुनिया को बड़ा संदेश देना उद्देश्य है।

जैसा कि साफ है रंगमंच या थिएटर प्रदर्शन वास्तव में कला के जरिए जीवंत प्रस्तुति,अभिव्यक्ति, स्वीकरण या अस्वीकरण का वह तरीका है जिसमें कलाकारकिसी वास्तविक या काल्पनिक घटना के अनुभव को किसी विशिष्ट स्थान, पर आकर सामने नाट्या प्रदर्शन करते है। यह न तो रिकॉर्डेड होता है न ही बार-बार के रिटेक जैसी सुधार की संभावनाएं होती है। वास्तव में जीवंत प्रदर्शन बड़ी चुनौती सरीखे होती है जिसे कलाकार साक्षात प्रस्तुत कर उसमें जीते हुए दिखते हैं। जो बहुत ही आनन्दित करता है। निश्चित रूप से यह न केवल कठिन कार्य है बल्कि अभिनय की वह चुनौती है जिसे सामने बैठे दर्शकों के समक्षमंच पर कलाकार करते हैं। एक तरह आज की भाषा में यह लाइव प्रदर्शन ही है।

अपने संवाद, हाव-भाव, भाषण, गीत, संगीत और नृत्य के संयोजन से की जा रही जीवंत प्रस्तुतियों का दर्शकों पर एक अलग छाप व प्रभाव पड़ता है।ऐसे मंचन समाज के लिए न केवल बड़े संदेश देते हैं बल्किकला के तत्व, और कृत्रिम संसाधनों जैसे चित्रित दृश्य और स्टेजक्राफ्ट व प्रकाश व्यवस्था का उपयोग कर वो अनुभव की भौतिकता, उपस्थिति और तात्कालिकता भी बढ़ाते हैं। समय के साथ-साथ इसमें काफी बदलाव भी आया है। आधुनिक रंगमंच में नाटकों और संगीत थिएटर का प्रदर्शन भी शामिल होने से यह और भी आकर्षक और लोकप्रिय होते जा रहे हैं। रंगमंच कला भी कई रूप ले चुकी है। बैले और ओपेरा थिएटर की वो प्रस्तुतियां बन गई हैं जिसमेंपारंपरिक रूप से किए जाने अभिनय, वेशभूषाओं का उपयोग किया जाता है। समय के साथ इस कला का भी विकास आधुनिक होते हुए भी काफी हद तक पारंपरिक भी है। यह दिन थिएटर कला के महत्व और मनोरंजन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इस बात पर प्रकाश डालने के लिए भी मनाया जाता है ताकि उनका उपयोग शांति और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कैसे किया जा सकता है। वास्तव में एक खास दिन इसको समूचे विश्व में एक साथ मनाने के पीछे भी बहुत बड़ी और व्यापक सोच है।रंगमंच के मूल्य के बारे में जागरूक करना, रंगमंच समुदायों को अपने काम को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने में सक्षम बनाना, दुनिया भर के रंगमंच कर्मियों और संगठनों को आपस में जोड़ना और एक-दूसरे परिचित कराना। विश्व में अलग-अलग रूपों में प्रचलित रंगमंच विधाओं का न केवल आनंद लेना बल्कि दूसरों के साथ आनंद साझा करना है।

सच में, रंगमंच वह कला है जो सदियों से जीवित है और सदियों तक रहेगी भी। भले ही समाज, विकास और तकनीक में कितने भी उतार-चढ़ाव आए हों लेकिन मूल भावना अब भी जीवन्त है। समय के साथ बदलाव के बावजूद रंगमंच की भावना जस की तस है। यह हर तरह की कलाओं को शिक्षामें समाहित कर, मनोरंजन के जरिए लोगों तक पहुंचाती है। अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच दिवस इसी लक्ष्य की पूर्ति करता है तथा रंगमंच समुदाय नाटक और संगीत के प्राचीन शिल्प को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक वर्ष प्रदर्शन, व्याख्यान और पुरस्कार प्रस्तुतियों की योजना बनाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि। नं। भोपाल डिवी. 48 म.प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail—com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakashĐin

वार्ड क्रमांक 4 सीसी रोड का भूमि पूजन किया गया

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)। बुधवार को नगर परिषद औबेदुल्लागंज अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे , पार्षद प्रमोद सेन, सुनील सेरिया, दीपेश परमार, राजेंद्र साहू के द्वारा वार्ड क्रमांक 4 सी सी रोड का भूमि पूजन का कार्यक्रम किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे रविंद्र विजय वर्गीय महामंत्री, सोनू चौकसे पूर्व मंडल अध्यक्ष, हरपाल सिंह राजपूत, पामेश यादव, मंजू खटीक, सुंदरलाल राय, कमल मल्होत्रा, नितेश सोलंकी, दिनेश वैष्णव, अर्चना विश्वकर्मा, उन्नति राय, अधिकारी कर्मचारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजकुमार शर्मा, महेश मीणा, समयपाल नगर परिषद औबेदुल्लागंज से वार्ड के आमजन गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे द्य

मुझे सतना से चुनाव किसने हरवाया यह सभी को पता है: अजय सिंह राहुल

सतना। जीतू पटवारी मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सतना दौरा कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और विधायक अजय सिंह ने कांग्रेस में गुटबाजी और हार का दर्द बयां करते हुए कहा कि रीवा सतना का नाम सुन कांग्रेस के बड़े नेताओं को बुखार आ जाता है, कांग्रेस के बड़े नेता को यहाँ बुलाने पर कहते है हमे इंदौर जाना है क्योंकि वहां जीतू पटवारी है, बड़े बड़े लोग है यहां गरीबी है इसलिए कोई कांग्रेस का बड़ा नेता दौरा करने नहीं आता। पहले मंच पर बैठे नेता आपस में लड़ाई बंद करें, तभी कार्यकर्ता भी सोचेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मुझे सतना से चुनाव किसने हरवाया, यह सभी को पता है।

युवा संगम रोजगार मेला, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिशिप का हुआ आयोजन

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविधालय परिसर जिला छतरपुर में युवा संगम (रोजगार मेला स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिशिप मेला) का आयोजन किया गया। जिसमें 216 युवक-युवतियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीयन कराया। युवा संगम में आमंत्रित निजी क्षेत्र में नियोजन करने वाली कम्पनी संसूर सृष्टि हर्बल प्रा. लि. छतरपुर द्वारा 39, आई सेक्ट छतरपुर द्वारा 17, जीएसएस आईएफएमएस प्राइवेट लि. जामनगर गुजरात द्वारा 24, क्रिस कॉर्म्स प्रा. लि. अहमदाबाद द्वारा 4, स्क्लि विजन ऑर्गनाइजेशन पीथमपुर द्वारा 23, आर स्कवायर एच आर सर्विस अहमदाबाद द्वारा 9, वीकमर्शियल प्रा. लि. पीथमपुर द्वारा 3, एमआरएफ टायर प्रा. लि. भड़ौच गुजरात द्वास 12, टाटा मोटर्स प्रा. लि. सानंद गुजरात द्वारा 9, रिच पर्सन सिक्योरिटी प्रा. लि. छतरपुर द्वारा 11, आम धानी प्रा. लि. महाराष्ट्र द्वारा 7, पुखराज हेल्थ केयर सागर द्वारा 8 सहित कुल 166 आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारंभिक चयन किया गया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम में खादी एवं ग्रामउद्योग कार्यालय छतरपुर द्वारा पीएमईजीपी के दो प्रकरणों का राशि रूपये 70 लाख का वितरण किया गया और जिला व्यापार उद्योग केन्द्र छतरपुर द्वारा पीएमईजीपी के एक प्रकरण राशि रूपये 12.49 लाख रूपये एवं मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तीन प्रकरणों में राशि रूपये 24.96 लाख का वितरण किया गया। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) द्वारा 16 आवेदकों का चयन प्रशिक्षण प्रदाय करने हेतु किया गया।

हिंदू नव वर्ष का भव्य आयोजन

आष्टा। स्थानीय गोकुल धाम में प्रभु प्रेमी संघ के तत्वाधान में आचार्य महामंडलेश्वर जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरी द्वारा स्थापित प्रभु प्रेमी संघ द्वारा प्रतिवर्षानुसार हिंदू नव वर्ष का भव्य आयोजन गोकुल धाम में चैत्र प्रतिपदा संवत 2082 रविवार 30 मार्च को सुबह 8.30 बजे 10.30 बजे तक होगा इस आशय की जानकारी देते हुए अध्यक्ष सुरेश पालीवाल महासचिव प्रदीप प्रगति ने बताया कि राजधानी भोपाल के ख्यात नाम प्रवचन कार मोटिवेशनल वक्ता डॉ सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी के मुख्य उद्बोधन के साथ स्थानीय प्रसिद्ध संगीत कार भजन गायक राम श्रीवादी की प्रस्तुति होगी , गुड़ी पूजन के साथ ही समूचे ब्रह्मांड में सनातन हिन्दू धर्म तथा काल गणना के वैज्ञानिक पहलुओं पर चर्चा कर भजन पूजन कीर्तन अर्चन आरती होगी । प्रभु प्रेमी संघ ने सभी नगरवासियों से आग्रह किया गया है कि सपरिवार इस आयोजन में समय पर पधारें ।

जनसुनवाई में आए क्षेत्र के नागरिकों की विधायक ने सुनी समस्याएं अधिकारियों को दिए निर्देश

आष्टा । प्रत्येक बुधवार को आष्टा विधायक अपने कार्यालय में सुबाह 10 बजे से जनता की समस्याओं को सुनने,उनेह हल करवाने के लिये जनसुनवाई करते है । आज बुधवार को प्रातः से दोपहर तक कार्यालय में उपस्तिथ रह कर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने जनता की समस्याओं को सुना एवं उनकी समस्याओं को हल करने के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये । आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर जो की हर बुधवार को अपने कार्यालय में जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत उपस्तिथ रहते है । आज बड़ी संख्या में क्षेत्र से नागरिक जनसुनवाई में पहुचे एवं अपनी अपनी पीड़ा से विधायक को अवगत कराया एवं आवेदन दिये। जनता से प्राप्त आवेदनों पर विधायक ने कहा आपकी समस्याओं को सुनना एवं उसे हल करना मेरा प्रथम दायित्व है। आज आये आवेदनों को तत्काल सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर ग्रामीणों की समस्याओं का समय सीमा में तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिये । आज जनसुनवाई में कई विभागों के जैसे आवेदन प्राप्त हुए उन्हें निराकरण हेतु भेजे गये । विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने कार्यालय आये सभी नागरिको को भरोसा दिया कि आपकी समस्याओं का जल्द निराकरण होगा।

मां कर्मा देवी जयंती पर साहू समाज ने निकाला विशाल चल समारोह

बैरसिया। साहू समाज बैरसिया द्वारा मां कर्मा देवी जन्मोत्सव पर भव्य चल समारोह एवं भंडारे का आयोजन किया गया। चल समारोह का शुभारंभ नगर के सांवलिया मंदिर से प्रारंभ होकर बाल विहार,रेंज चौराहे सहित नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए साहू समाज मंदिर पहुंचा। जहां मां कर्मा देवी की पूजा अर्चना की गई। इस भव्य शोभा यात्रा का नगर के कई सामाजिक धार्मिक संगठनों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।कार्यक्रम में भगवान श्री कृष्ण एवं मां कर्मा की झांकियां एवं परी म्यूजिकल ग्रुप के राधा कृष्ण बने कलाकार आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने भंडारे का आनंद लिया। कार्यक्रम में विधायक विष्णु खत्री,पूर्व सांसद सुरेंद्र सिंह ठाकुर,पूर्व विधायक भक्त पाल सिंह राठौड़ ,पूर्व विधायक जोधा राम गुर्जर, कांग्रेस महासचिव अवनीश भार्गव जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि कुबेर सिंह गुर्जर,नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौड़, वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल आगर, राजमल गुप्ता, राजमल कुशवाह, प्रदीप जैन,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भगवान दास बियानी मदन सिंह ठाकुर कमलेन्द्र सोलंकी एवं तेलिक साहू महासभा के संरक्षक बटन लाल साहू मध्य प्रदेश तेलिक साहू महासभा के महासचिव रमेश कुमार साहू, वरिष्ठ साहू समाज अध्यक्ष जितेंद्र साहू डागा, महिला मंडल अध्यक्ष माया गुलाबचंद साहू, नवयुवक मंडल अध्यक्ष गोलू साहू, मध्य प्रदेश तेलिक साहू सभा सयुंक्त सचिव वीरेंद्र साहू, गणेशराम साहू, हरिप्रसाद साहू, महामंत्री अमित साहू, लालाराम साहू,पंकज साहू,दीपक साहू मंडी रूपेश साहू विजय साहू राकेश साहू शैलेंद्र साहू एडवोकेट सुनील साहू विनोद साहू कोमल साहू सुरेश साहू,बद्री साहू, प्रदेश मीडिया प्रभारी पत्रकार श्याम साहू,पत्रकार प्रमोद साहू,सहित बड़ी संख्या में गण मान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

3 दिवसीय निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर में मंत्री प्रहलाद पटेल ने आयुष अधिकारी को दिए निर्देश

नरसिंहपुर चिकित्सालय में पंचकर्म की सुविधा प्रारंभ होनी चाहिए

नरसिंहपुर । प्रदेश के ग्रामीण विकास पंचायत एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल झिरना रोड नरसिंहपुर स्थित आयुष चिकित्सालय में मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन द्वारा लगाये गये निश्शुल्क ऑस्टियोपैथी दर्द निवारक चिकित्सा शिविर में शामिल हुए। मंत्री पटेल ने सर्वप्रथम भगवान धनवंतरी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर प्रणाम किया। साथ ही स्व. मणिनागेंद्र सिंह पटेल मोनू भैया के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किये। यहां उन्होंने इलाज के लिए पहुंचे मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत की मंत्री श्री पटेल ने शिविर में आये डॉक्टरों से कहा कि आप हर वर्ष आकर अपनी सेवाएं दें और चिकित्सालय के स्टाफ़ को प्रशिक्षित करें। उन्होंने बाहर से आए चिकित्सकों और आयुष चिकित्सालय के स्टाफ़ को धन्यवाद दिया। उन्होंने जिला आयुष अधिकारी डॉ. सुरत्ना सिंह चौहान को निर्देश दिये कि चिकित्सालय में पंचकर्म की सुविधा भी प्रारंभ की जाये। साथ ही आयुर्वेदिक गार्डन भी तैयार किया जाये। नि॰शुल्क स्वास्थ्य शिविर के दूसरे दिन 250 लोगों ने पंजीयन कराया। इस अवसर पर विधायक महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, पं. रामस्नेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, श्री सीताराम नामदेव,श्री राजेन्द्र ठाकुर, अजय प्रताप सिंह, अन्य जनप्रतिनिधि, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, एसडीएम सहित अन्य अधिकारी और शिविर में पहुंचे हितग्राही मौजूद रहे।

लोक कला संस्कृति से महामाई के दरबार में बरसे राजस्थान के घूमर - कालबेलिया नृत्य के रंग

महामाई पर चैत्र नवरात्रि मेले में लोकमंगल समिति के तत्वावधान में आज होगी गाथा श्री राम मंदिर की संगीतमय प्रस्तुति

सिरोंज। महामाई माता के दरबार में आयोजित मेले में लोक कला सांस्कृतिक उत्सव आयोजनों की श्रृंखला में बुधवार को राजस्थान की लोक कला के रंग बिखरे। मंदिर के प्रांगण में स्थापित मंच पर राजस्थान के जैसलमेर से यहां पहुंचे कलाकारों ने राजस्थानी गीतों पर लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां दी।

रात नौ बजे मंच पर सेवा समिति के सदस्यों ने मां महामाई के चित्र के सम्मुख पूजा अर्चना एवं आरती उपरांत देवी भजन से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में राजस्थान के कलाकारों ने कालबेलिया,घूमर,भवाई,बंजारा, गोहाई,होली,मारवाड़ी नृत्य सहित एक दर्जन से अधिक प्रस्तुतियां दी। परम्परागत पंद्रह दिवसीय मेले के दौरान आयोजित हो रहे लोक संस्कृति के आयोजन को देखने के लिए शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ ने देर रात तक पांडाल में एक से एक बढ़कर प्रस्तुतियों का आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन महामाई सेवा समिति के सदस्य सतीश श्रीवास्तव ने एवं आभार सचिन शर्मा ने व्यक्त किया।

आज होगी गाथा श्री राम मंदिर का संगीतमय आयोजनः लोक मंगल समिति के तत्वाधान में आयोजित हो रहे सांस्कृतिक आयोजनों की श्रृंखला में आज गुरुवार को गाथा श्री राम मंदिर की संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में अठारह सदस्यीय कलाकारों का दल अयोध्या के श्री राम मंदिर पर आधारित कार्यक्रम की सामूहिक रूप से संगीतमय प्रस्तुति देंगे। समिति के सदस्य सचिन शर्मा ने मैया के दरबार में सनातन संस्कृति के इस आयोजन को देखने के लिए अधिक से अधिक संख्या में नागरिकों एवं माता बहिनों से पहुंचने का आव्हान किया है। इस दौरान महामाई सेवा समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन

शाजापुर। स्थानीय जन शिक्षण संस्थान, द्वारा स्थानीय सभागृह में अपने प्रशिक्षको हेतु एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के सहायक प्रबंधक श्री एस.एस. मालवीय, संस्थान बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी श्री सुभाष जी मण्डलोई, कंचन वेलफेयर सोसायटी की समाजसेवी एवं मास्टर ट्रेनर श्रीमती गायत्री वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित हुये। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के पुजन से की गई, तत्पश्चात सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा किया गया अपने उद्बोधन में श्री मालवीय द्वारा राज्य शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई जिसकी सहायता से बगेर बंधक की सहायता से ऋृण प्राप्त किया जा सकता है। उपाध्यक्ष श्री मण्डलोई जी द्वारा अपने हुनर में निरन्तरता बनाये रखते हुए सीखने की क्षमता को ह्दय जागृत रखने की सलाह दी। गायत्री वर्मा द्वारा नेतृत्व क्षमता का विकास, व्यक्ति विकास जैसे विषयों पर अपने सुझाव दिये साथ ही प्रशिक्षक के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता पर भी जोर दिया गया, प्रशिक्षकगण श्रीमती यास्मीन मिर्जा द्वारा प्रशिक्षक के साथ सैद्धान्तिक शिक्षा के महत्व को भी बताया गया, श्रीमती संगीता परमार कालापीपल द्वारा अपनी आर्थिक स्थिती में सुधार के लिये जन शिक्षण संस्थान के प्रशिक्षणों की भुमिका बाताई। प्रशिक्षक श्रीमती प्रियंका सौराष्ट्रीय द्वारा अपने प्रशिक्षण के साथ व्यवसायिक जीवन में भी व्यवहार कुशलता की उपयोगिता का महत्व बताया साथ ही प्रशिक्षक को भी अपने प्रशिक्षण के नवीन तौर तरीके के साथ अपडेट रहने का सुझाव दिया।

कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती निशा आर्य द्वारा महिलाओं के मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूकता एवं स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। निदेशक श्री मनीष कुमार दुबे द्वारा सभी उपस्थित जनों का आभार मानते हुये क्षमता संवर्धन कार्यशाला के महत्व को बताया । कार्यक्रम का सफल संचालन श्री एच.एस. यादव एवं श्री सुरेश कासन्या द्वारा किया गया।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी वृत ओबेदुल्लागंज और बरेली की संयुक्त कार्रवाई

8 प्रकरण दर्ज हुए, पांच लोगों को मौके पर गिरफ्तार किया गया

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। बुधवार को कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशन मैं दीपक अवस्थी सहायक आयुक्त आबकारी के आदेश से कंट्रोलर सुदीप तोमर के निर्देशन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी सरिता चंदेल के नेतृत्व मे आबकारी वृत ओबैदुल्लागंज एवं व्रत बरेली की संयुक्त टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित होटल एवं ढाबो पर दबिश दी इसी प्रकार व्रत रायसेन में ग्राम सईद पुर भीलाडिया में भी कार्यवाही हुई जिसमें 2 प्रकरण दर्ज हुए कुल 8 प्रकरण दर्ज हुए 5 लोगो को मोके पर गिरफ्तार किया गया कार्यवाही मे 20 लीटर अवैध हाथभट्टी शराब 42 पाव प्लेन जब्त की गई एवं लगभग 300द्मद्द महुआ लहान सैंपल लेकर मौके पर नष्ट किया गया कार्यवाही मैं निरीक्षक रविन्द्र अहिरवार, सुनील मीना , राजेश विश्वकर्मा, गौरव भद्रसेन का योगदान रहा कार्यवाही से अवैध शराब के निर्माण विक्रय संग्रहण एवं परिवहन मैं कमी आएगी सहायक आयुक्त आबकारी दीपक अवस्थी द्वारा बताया गया कि जिले मे अवैध शराब के कारोबार में लिप्त लोगों को बख्शा नहीं जाएगा

कलेक्टर ने नौगांव क्षेत्र में उपार्जन केन्द्र सहित कृषि विज्ञान केंद्र प्रयोगशाला सहित कस्टम हायरिंग सेंटर का किया निरीक्षण

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बुधवार को नौगांव क्षेत्र में उपार्जन केंद्र नौगांव, कृषि विज्ञान केंद्र, मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला, कस्टम हायरिंग सेंटर ग्राम सिंगरावान खुर्द एवं ग्राम ददरी में फसल का निरीक्षण किया और फसल कटाई एवं गेहूं के उपज का आंकलन किया। इस दौरान एसडीएम नौगांव जी.एस. पटेल, तहसीलदार रंजना यादव, उपसंचालक कृषि के.के. वैद्य, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र डॉ. वीणा पाणि श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर जैसवाल ने नौगांव नवोदय विद्यालय के पास उपार्जन केंद्र का निरीक्षण करते हुए खाद्य अधिकारी, सर्वेयर से उपज की गुणवत्ता के मानकों पर कैसे जांच की जाती है, उपस्थिति में परीक्षण कराया। उन्होंने चना, मसूर, सरसों, के कितने पंजीयन हुए है एवं कितने उपार्जन केंद्र संचालित है की जानकारी ली। कलेक्टर ने एफएक्यू के मानक स्तरों के प्रचार के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं एवं मॉइश्चर मीटर को जल्द से जल्द लाकर माप कराकर गुणवत्ता के मानकों का पालन करने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत कलेक्टर द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र नौगांव का निरीक्षण करते हुए किसानों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण, फसल प्रदर्शन, नए किस्म के बीजों की जानकारी देने, प्राकृतिक खेती को बढ़ाने, ऑन फार्म टेस्टिंग करते हुए बायो कम्पोस्टिंग, बागवानी में किए गए नवाचार की जानकारी किसानों को देने के निर्देश दिए। तत्पश्चात केंद्र की प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया गया। जिसे सुचारूरूप से कार्यात्मक बनाने के निर्देश दिए एवं जैविक खेती के महत्व पर जोर डालते हुए इसमें नवाचार करने के केवीके के अधिकारियों को निर्देश दिए। जिससे कि उन्नत खेती की जा सके। इसके बाद कलेक्टर ने केंद्र के उद्यान परिसर में लगे कटहल, नींबू, आम, करौंधा एवं अन्य पौधों की किस्मों का निरीक्षण किया एवं उपस्थित अधिकारियों से नए बीज की किस्म हर्वीसाइड, वीडीसाइड, अरहर को राजेश्वरी किस्म की जानकारी ली। जिसमें लगाए जा रहे पौधों का पोषणयुक्त तरीके से सही देखभाल करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने शहद प्रसंस्करण इकाई का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने नौगांव अंतर्गत मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के कार्यों का निरीक्षण किया। जिसमें मिट्टी के परीक्षण की पूरी प्रक्रिया की जांच कराई और माह में आने वाले सैंपल्स एवं उनकी परीक्षण रिपोर्ट की पंजी को जांचा एवं प्रयोगशाला में लगे कर्मचारियों और सैंपल जांच में लगने वाले समय की जानकारी भी ली।

उन्होंने सिंगरावन खुर्द में संचालित कस्टम हायरिंग केंद्र जो की अंशमान पटेल द्वारा संचालित है का निरीक्षण किया। केंद्र में मौजूद सभी मशीनों जिसमें स्ट्रॉ रीपर, रोटावेटर, कल्टीवेटर, मूंगफली से दाने निकलने वाली मशीन एवं ट्रैक्टर आदि मशीनों के संचालन की स्थित को भी देखा। प्रति हैक्टेयर में एक घंटे में कितना भूसा बनाने को क्षमता एवं मिलने वाले मुनाफे को जानकारी ली। जिसमें अंशमान पटेल ने बताया कि इन मशीनों से उनके परिवार को अच्छा लाभ प्राप्त हो रहा है।

प्रधानमंत्री, पत्रकारों से किया वायदा पूरा करें:अशोक पांडेय

जंतर मंतर पर भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ का महाधरना, बीएसपीएस ने पत्रकार सुरक्षा कानून सहित 10 सूत्री मांगें प्रधानमंत्री को भेजी

नई दिल्ली। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ (बीएसपीएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आने से पहले पत्रकारों सुरक्षा कानून लाने का जो वादा किया था, उसे पूरा करे और पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट जल्द से जल्द लागू करे।आज नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक दिवसीय महाधरना को पाण्डेय ने संबोधित किया। इस धरने में देशभर के पत्रकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और विभिन्न महत्वपूर्ण दस सूत्रीय मांगों को लेकर भारत सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

प्रमुखमांगों में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करना , स्वास्थ्य बीमा योजना लागू किया जाए,रेलवे कंसेशन सेवाएं पुनः बहाल करना , अधिस्वीकृत पत्रकारों को टोल शुल्क से मुक्त किये जाने सम्बन्धी मांग, पत्रकार आवास योजना पूरे देश में समान रूप से लागू की जाए,पत्रकार हत्या के मामलों की फास्ट ट्रैक जांच - इन मामलों में विशेष अदालतों द्वारा ट्रायल की व्यवस्था करने की मांग रखी गई। पत्रकारों पर दर्ज झूठे मामलों की निष्पक्ष जांच के लिए समिति बनाई जाए, यूट्यूबर्स और अन्य डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए नई नीति बनाई जाने, मध्य व छोटे अखबारों के विकास के लिए उन्हें जीएसटी से छूट दिये जाने,डीएवीपी और आईपीआरडी में संघ के प्रतिनिधित्व को अनिवार्य करने की मांग रखी गई।

इस महाधरना को भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज हसन, उपाध्यक्ष आंध्र प्रदेश के राघवेंद्र मिश्रा, संगठन सचिव गिरधर शर्मा(उत्तराखंड) राष्ट्रीय सचिव डॉ. नवीन आनंद जोशी(मध्य प्रदेश) चंदन मिश्रा (झारखंड), राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती एस.एस.नसरीन (पश्चिम बंगाल) राष्ट्रीय प्रवक्ता इंदु बंसल (हरियाणा), तमिलनाडु के पी रविंद्र चंद्रन सहित विभिन्न राज्यों के पदाधिकारियों ने संबोधित किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष डॉ अरुण सक्सेना महासचिव महेंद्र शर्मा,छत्तीसगढ़ यूनिट के अध्यक्ष गंगेश द्विवेदी, उत्तर प्रदेश यूनिट से शिबू निगम, मुन्ना त्रिपाठी, जयद वाजपेई,पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष शैलेश्वर पांडा, बानी व्रत करार, सुभाशीष पाल, मनोज शाह, स्वप्न करार,तमिलनाडु के पी रवि चंद्रन, मुन्नू स्वामी, गांधी गणेशन, राजस्थान यूनिट से राजेंद्र शर्मा, आरके जोशी, कानपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष सरस बाजपेई,बिहार के संजीव जायसवाल, नंदन झा, झारखंड से राजीव मिश्रा, जावेद इस्लाम, अरविंद ठाकुर, जगदीश सलूजा, विभिन्न राज्यों के पत्रकारों ने धरने में बढ़-चढ़कर भाग लिया और इसे सफल बनाया। इस दौरान भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में पत्रकारों की सुरक्षा, अधिकार और उनके विकास से संबंधित मुद्दों पर शीघ्र कदम उठाने की मांग की गई। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ का यह महाधरना पत्रकारों की एकता और उनके अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस महा धरने को विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों जिनमें संजय प्रजापति संजय प्रजापति राष्ट्रीय महासचिव एनसीपी, बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कविता वर्मा, आमआदमी पार्टी, लोक समाज पार्टी, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव , भारतीय किसान यूनियन के राजेश अग्रवाल,भाजपा सांसद मनीष जायसवाल, कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत , टीएमसी सांसद अरूप चक्रवर्ती, कश्मीर से नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रूहल्ला मेहंदी ने अपना समर्थन दिया।

आईएएस अधिकारी पवन यादव को बड़ी जिम्मेदारी, बनाए गए गृह मंत्री अमित शाह के निजी सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी। आईएएस अधिकारी पवन यादव को बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का निजी सचिव नियुक्त किया गया है. मणिपुर कैडर के 2014 बैच के आईएएस अधिकारी पवन यादव केंद्रीय गृह मंत्रालय में उप सचिव के रूप में कार्यरत थे. कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उप सचिव के रूप में यादव के कार्यकाल में कटौती को मंजूरी दे दी है. मंत्रालय ने 2 अप्रैल 2027 तक की अवधि के लिए अमित शाह के निजी सचिव के रूप में उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी, जो पदभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी।

आईपीएल 2025 की शुरुआत करते हुए, इकोलिंक पंजाब किंग्स के साथ ऑफिशियल पार्टनर के रूप में जुड़ा

मुंबई, एजेंसी। देश में आईपीएल 2025 के साथ क्रिकेट का जोश चरम पर पहुँच रहा है, तभी लाईटिंग में दुनिया की अग्रणी कंपनी, सिग्निफाई ने इकोलिंक और पंजाब किंग्स की पार्टनरशिप की घोषणा की है। यह पार्टनरशिप इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए की गई है। इस गठबंधन के अंतर्गत ये दोनों संगठन परफॉर्मेंस, इनोवेशन और ग्राहकों एवं फैंस को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करेंगे।गर्मियों की शुरुआत के साथ इकोलिंक और पंजाब किंग्स के बीच यह पार्टनरशिप इकोलिंक द्वारा इनोवेटिव फैन लॉन्च से पहले की गई है। पंजाब किंग्स की टीम जिस प्रकार क्रिकेट के मैदान में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करती है, उसी प्रकार इकोलिंक अपने भरोसेमंद और एफिशियंट उत्पादों द्वारा भारतीय परिवारों के जीवन में ताजा हवा का झोंका प्रदान करने के लिए समर्पित है। इसलिए इन दोनों के बीच यह साझेदारी स्वाभाविक है। निखिल गुप्ता, हेड ऑफ मार्केटिंग, स्ट्रेट्जी, सरकारी मामले एवं सीएसआर - सिग्निफाई, ग्रेटर इंडिया ने कहा, ''क्रिकेट भारत के लिए एक खेल से बढ़कर है। यह पूरे देश को एकजुट करता है। हम देश में लाखों फैंस से जुड़ने के लिए पंजाब किंग्स के साथ पार्टनरशिप करके बहुत उत्साहित हैं। पंजाब किंग्स के सीईओ, सतीश मेनन ने कहा, ''हम आईपीएल 2025 के लिए इकोलिंक को अपना ऑफिशियल पार्टनर बनाकर बहुत खुश हैं। यह साझेदारी उत्कृष्टता और इनोवेशन की हमारी साझा प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। हमें विश्वास है कि यह सहयोग पंजाब किंग्स परिवार के लिए काफी मूल्यवान रहेगा, जिससे हमारे फैन्स का अनुभव बेहतर बनेगा।''

ट्रांसयूनियन सिबिल की नवीनतम सीएमआई रिपोर्ट के अनुसार पहली बार ऋण लेने वालों में 41 प्रतिशत जेनरेशन जेड हैं

मुंबई , एजेंसी। दिसंबर 2024 को समाप्त होने वाली तिमाही में भारत की खुदरा ऋण वृद्धि में कमी जारी रही, खास तौर पर न्यू-टू-क्रेडिट 1 उपभोक्ताओं के बीच। यह एनटीसी उपभोक्ताओं द्वारा शुरू किए गए उपभोग-आधारित ऋण उत्पादों के लिए सबसे अधिक स्पष्ट था, जिसमें ऋण उत्पत्ति में 21 प्रतिशत साल-दर-साल गिरावट देखी गई, जबकि मौजूदा ऋण वाले उपभोक्ताओं के लिए 2 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। उपभोग-आधारित उत्पादों को क्रेडिट कार्ड, व्यक्तिगत ऋण और उपभोक्ता टिकाऊ ऋण के रूप में परिभाषित किया जाता है। उत्पत्ति नए खोले गए खातों का एक माप है और यह उपभोक्ता मांग और ऋणदाता आपूर्ति दोनों द्वारा संचालित होता है। उपभोग-आधारित ऋण उत्पादों की उत्पत्ति के लिए ऋणदाताओं के सतर्क दृष्टिकोण ने एनटीसी उधारकर्ताओं को असंगत रूप से प्रभावित किया क्योंकि 40 प्रतिशत एनटीसी उधारकर्ता औपचारिक ऋण में अपने पहले प्रयास के रूप में उपभोग-आधारित उत्पादों को चुनते हैं। ये रुझान इस क्षेत्र में ऋण आपूर्ति का विस्तार करने के लिए केंद्रित ऋणदाता रणनीतियों की आवश्यकता को उजागर करते हैं और दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए ट्रांसयूनियन सिबिल क्रेडिट मार्केट इंडिकेटर 2 रिपोर्ट में कुछ निष्कर्ष दिए गए हैं।

81 प्रतिशत भारतीय अपनी जीवन बीमा आवश्यकताओं को कम कर के आंकते हैं, बजाज आलियांज लाइफ अंडरइंश्योरेंस सर्वे

पुणे, एजेंसी। भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने नीलसनआईक्यू के सहयोग से आयोजित 'अंडरइंश्योरेंस सर्वे 2025' नाम से एक व्यापक अध्ययन जारी किया है। सर्वेक्षण में मेट्रो, टियर 1 और टियर 2 शहरों के 2,000 व्यक्तियों को शामिल किया गया। इसमें जीवन बीमा कवरेज स्तर का आकलन किया गया और वित्तीय सुरक्षा में अंतराल की पहचान की गई। इसके निष्कर्ष भारत में जीवन बीमा की वर्तमान स्थिति और खरीद निर्णयों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों पर प्रकाश डालते हैं।सर्वेक्षण से जीवन बीमा रुझानों में महत्वपूर्ण बदलाव का पता चलता है, जिसमें पहली बार खरीदारों की औसत आयु 33 से घटकर 28 वर्ष हो गई है। पारिवारिक जिम्मेदारियाँ, आय का स्तर और स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ बीमा अपनाने के प्रमुख कारणों के रूप में उभरी हैं। उल्लेखनीय रूप से, 81 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना था कि उनकी वार्षिक आय से 10 गुना से कम का जीवन बीमा कवरेज वित्तीय सुरक्षा के लिए पर्याप्त था। हालाँकि, वास्तविक कवरेज के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं। शहरी क्षेत्रों में, औसत जीवन कवर वार्षिक आय का 3.1 गुना था, जो क्रमशः बड़े पैमाने पर समृद्ध और समृद्ध परिवारों के लिए 2.9 गुना तक नीचे था। सर्वेक्षण निष्कर्षों पर बात करते हुए बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ तरुण चुघ ने कहा, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के बावजूद, भारत में कुल बीमित राशि जीडीपी का सिर्फ 70 प्रतिशत है, जो अमेरिका (251 प्रतिशत), थाईलैंड (143 प्रतिशत) और मलेशिया (153 प्रतिशत) जैसे देशों की तुलना में काफी कम है, जो एक महत्वपूर्ण सुरक्षा अंतर को उजागर करता है। यह कमी परिवारों को आर्थिक रूप से कमजोर बना सकती है, जिससे उन्हें संकट के समय बचत में से पैसे निकालने या संपत्ति बेचने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे उनके जीवन के लक्ष्य पटरी से उतर सकते हैं। अपने प्रियजनों की सही मायने में सुरक्षा करने के लिए, कवरेज की जरूरतों का समग्र रूप से आकलन करना आवश्यक है। आय, देनदारियों और भविष्य की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए यह काम करना आवश्यक है। एक जरूरी नियम यह है कि जीवन बीमा अपनी वार्षिक आय का कम से कम 10 गुना होना चाहिए, ताकि सबसे अधिक ज़रूरत पड़ने पर वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने सिंहस्थ 2028 के निर्माण कार्यो की उज्जैन में समीक्षा की

भोपाल। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने सिहस्थ-2028 के प्रगतिरत उज्जैन में निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि निर्माण संबंधी कार्यों में समयबद्ध तरीके से काम किया जाना सुनिश्चित किया जाये। प्रगतिरत कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी प्रत्येक माह भेजी जाएं। इसकी प्रत्येक 15 दिन में कलेक्टर उज्जैन द्वारा समीक्षा की जाएगी। अपर मुख्य सचिव ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की गति को बनाए रखना संबंधित विभाग के अधिकारी की जिम्मेदारी है इसके लिए यदि दो शिफ्ट में काम करने की आवश्यकता है तो वह भी करें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होना चाहिए। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री नीरज कुमार ने विभिन्न निर्माण कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। घाट निर्माण के लिए 30 माह का समय सुनिश्चित किया गया है। क्षिप्रा शुद्धिकरण के लिये कान्हा नदी डायवर्सन की भौतिक प्रगति रिपोर्ट 29 प्रतिशत है। सेवर खेड़ी, सिलार खेड़ी जलाशय का काम भी शुरू हो चुका है। इंदौर उज्जैन सिक्स लेन का कार्य 24 माह में पूर्ण किया जाना है। इसी के साथ उज्जैन मक्सी फोर लेन इंगोरिया उन्हेल और उज्जैन सिंहस्थ बायपास का काम भी प्रगतिरत है।

बैठक में पीडब्ल्यूडी के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। इसी के साथ नगर निगम के मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सड़क चौड़ीकरण के कार्यों को समन्वय के साथ किया जाना सुनिश्चित करें। इसमें सभी के सहयोग से कार्य पूर्ण किया जायें। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यदि किसी निर्माण कार्य में समस्या आ रही है तो उसके संबंध में जिला प्रशासन और कलेक्टर को बताएं जिससे समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके। प्रो-एक्टिव होकर काम करने की आवश्यकता है जो काम अभी शुरू नहीं हुए हैं और जिनको किया जाना जरूरी है उन कार्यों को भी तुरंत राज्य शासन को भेजें।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि स्थायी प्रकृति के सभी कामों को शुरू किया जावे और उनकी सतत मॉनिटरिंग भी किया जाना सुनिश्चित करें। अपर मुख्य सचिव ने बैठक के बाद निर्माण कार्यों को भी देखा मेडिसिटी मेडिकल कालेज के निर्माण कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। इसके बाद सिलार खेड़ी जलाशय का भी निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की जानकारी ली। बैठक में संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता इन्दौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप कुमार शर्मा जिला पंचायत सीईओं श्रीमती जयती सिंह नगर निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थें।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, पत्रकारों की अभिव्यक्ति की आजादी का हो संरक्षण

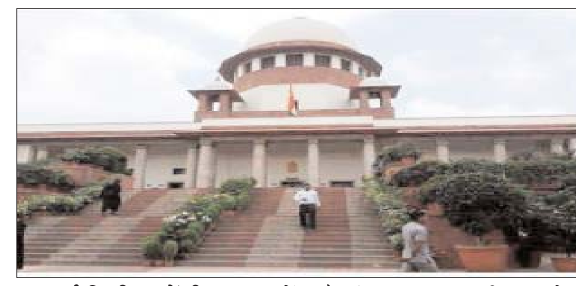

नई दिल्ली, एजेंसी। पत्रकारों की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सरकार की आलोचना के आधार पर किसी भी पत्रकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 19(1) के तहत प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। इस अधिकार के तहत किसी भी पत्रकार को सरकार की आलोचना करने का पूरा हक है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ सरकार के खिलाफ बोलने या नीतियों पर सवाल उठाने के आधार पर किसी पत्रकार के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती। स्वतंत्र पत्रकारिता लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। यदि सरकार की आलोचना करने पर पत्रकारों को प्रताड़ित किया जाएगा तो इससे प्रेस की स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाएगी। सरकार को आलोचना सहन करने की क्षमता विकसित करनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को पत्रकारों की स्वतंत्रता के लिए एक बड़ी जीत माना जा रहा है। इस फैसले से साफ संकेत मिलता है कि सरकार की आलोचना करना किसी भी नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और इस अधिकार पर अंकुश लगाने की कोशिश लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।भारतीय प्रेस परिषद ने भी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया है। फैसला प्रेस की स्वतंत्रता को मजबूत करेगा और पत्रकारों को बिना डर के सच को सामने लाने की प्रेरणा देगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में भी हलचल मच गई है। विपक्षी दलों ने इस फैसले का स्वागत किया है और इसे लोकतंत्र के लिए सकारात्मक कदम बताया है। वहीं, सरकार के प्रवक्ताओं ने कहा है कि वे इस फैसले का सम्मान करते हैं और कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की रणनीति तैयार करेंगे। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भारत में पत्रकारिता की स्वतंत्रता को नया आयाम देगा। इससे पत्रकारों को सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने और जनहित के मुद्दों को उठाने का हौसला मिलेगा। अभिव्यक्ति की आज़ादी का यह संरक्षण न केवल लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करेगा, बल्कि सरकार को भी अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाएगा।

7000 पर जाएगा टाटा का यह शेयर, खरीदने की मची लूट, 24 में से 17 एक्सपर्ट की सलाह- खरीदो

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज शुरुआती कारोबार में ही 2.3 प्रतिशत चढ़कर 5445 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। दरअसल, ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मैक्वेरी ने टाटा समूह के ट्रेंट पर 'आउटपरफॉर्म' रेटिंग के साथ कवरेज शुरू की है। ब्रोकरेज ने स्टॉक के लिए 7,000 का टारगेट रखा है, जो बुधवार के बंद भाव 5318.85 रुपये से 32 प्रतिशत की संभावित बढ़त दिखा रहा है। मैक्वेरी ने अपने नोट में लिखा है कि ट्रेंट वैल्यू-टू-मिड-प्रीमियम सेगमेंट में भारत का अग्रणी फैशन रिटेलर है, जो विकास, रिटर्न प्रोफाइल और इन्वेंट्री टर्नओवर में अपने एशियाई कम्पिटिटर से बेहतर परफॉर्म कर रहा है। ब्रोकरेज को उम्मीद है कि यह गति जारी रहेगी। ब्रोकरेज ने कहा कि भारत में फैशन के क्षेत्र में बढ़ते विवेकाधीन खर्च पर आधारित ट्रेंट एशिया में कुछ बेहतरीन खुदरा बिक्री मीट्रिक्स का दावा करता है। बता दें कि हाल ही में कंपनी ने यह घोषणा की है कि उसके ब्रांड वेस्टसाइड ने कई शहरों में तीन और स्टोर खोले हैं7

रॉयल एनफील्ड ने भारत में क्लासिक 650 पेश की

मुंबई, एजेंसी। मिडसाईज़ मोटरसाईकल सेगमेंट (250 सीसी से 750 सीसी) में ग्लोबल लीडर, रॉयल एनफील्ड ने भारत में क्लासिक 650 पेश की है। इसका मूल्य 3,37,000 से शुरू होता है। क्लासिक 650 क्लासिक रेंज की विरासत को आगे बढ़ाते हुए टाईमलेस सौंदर्य के साथ आधुनिक डिज़ाईन और सॉफिस्टिकेटेड कारीगरी का बेहतरीन मिश्रण पेश कर रही है, जो मोटरसाईक्लिंग की शुद्ध भावना के अनुरूप है। क्लासिक ने मोटरसाईकल की दुनिया में एक सांस्कृतिक क्रांति ला दी है। रॉयल एनफील्ड के इतिहास में समाई हुई क्लासिक की विरासत मोटरसाईक्लिंग के स्वर्णिम युग से चली आ रही है। क्लासिक 650 मोटरसाईकल में विरासत के साथ आधुनिकता, परंपरा के साथ इनोवेशन और पुराने समय की यादों के साथ आधुनिक कारीगरी का बेहतरीन मिश्रण पेश किया गया है। इसका हर कर्व, हर पॉलिश्ड मेटल एक्सेंट और हर सिग्नेचर डिटेल उस समय की कहानी सुनाती है, जब मोटरसाईकल आजीवन संभालकर रखने के लिए बनाई जाती थी।

रॉयल एनफील्ड 'क्लासिक' बिल्कुल शुद्ध रूप में आरई के डीएनए और सौंदर्य को पेश करती है। इस फाउंडेशन पर रॉयल एनफील्ड ने कई मोटरसाईकल मॉडल पेश किए हैं। ये मोटरसाईकल अपने बेजोड़ वंश, टाईमलेस सौंदर्य और पुराने समय के आकर्षण तथा विशिष्ट एवं स्थिर चरित्र के लिए मशहूर रही हैं। अपनी बेहतरीन कारीगरी और डिज़ाईन के साथ क्लासिक ऑटोमोटिव डिज़ाईन, एस्थेटिक्स और इंजीनियरिंग की मिसाल पेश करती है। क्लासिक 650 के लॉन्च के बारे में बी गोविंदराजन, मैनेजिंग डायरेक्टर, आयशर मोटर्स लिमिटेड एवं सीईओ, रॉयल एनफील्ड ने कहा, ''क्लासिक 650 एक मोटरसाईकल ही नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध विरासत का गौरव है। यह टाईमलेस डिज़ाईन के साथ सरल परफॉर्मेंस का बेहतरीन मिश्रण पेश करती है। यह रॉयल एनफील्ड की भावना को आगे बढ़ा रही है, जिसमें बेजोड़ कारीगरी राईडर और मशीन के बीच स्थिर जुड़ाव विकसित करती है। यह 650सीसी के पैरेलेल ट्विन प्लेटफॉर्म पर बनाई गई है, जिसमें रिफाईनमेंट, क्षमता और सड़क पर दबदबे का बेजोड़ तालमेल है। इसलिए यह उन महत्वाकांक्षी राईडर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ मोटरसाईकल है, जो क्लासिक के डीएनए के साथ ज्यादा शक्ति और बहुमुखी उपयोगिता चाहते हैं। क्लासिक 650 के साथ हमन न केवल एक मोटरसाईकल बनाई है, बल्कि हमने आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध मोटरसाईक्लिंग के सार का संरक्षण किया है। हम यह आईकोनिक मशीन भारत में पेश करने के लिए उत्साहित हैं। मुझे विश्वास है कि यह मोटरसाईकल उसी जोश के साथ अपनाई जाएगी, जो हमारे राईडिंग समुदाय की पहचान है। क्लासिक 650 की विरासत वही पुरानी है, लेकिन इसका डिज़ाईन आधुनिक और अद्वितीय है। यह रॉयल एनफील्ड के 650 ट्विन मोटर प्लेटफॉर्म पर बनाई गई है, जिसे विश्वस्तर पर पुरस्कृत किया गया है। इस मोटरसाईकल का डिज़ाईन, स्टांस और फॉर्म इस इंजन की लाईन्स और फॉर्म से मेल खाता है, जो मोटरसाईकल को शक्ति प्रदान करता है।

आ गई फाइनल डेट, इस दिन होगी आरबीआई की वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बैठक

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 (FY27) के लिए मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक तिथियों का ऐलान किया। केंद्रीय बैंक ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि स्वब्ब्ट की बैठकें निम्नलिखित तिथियों पर निर्धारित की गई हैं।

6-8 अप्रैल, 2026, 3-5 जून, 2026, 4-6 अगस्त, 2026, 28-30 सितंबर, 2026, 2-4 दिसंबर, 2026, 3-5 फरवरी, 2027। इन बैठकों में RBI गवर्नर की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करेगी और ब्याज दरों (रेपो रेट) सहित मौद्रिक नीति से जुड़े फैसले लेगी। ये निर्णय आर्थिक विकास, मुद्रास्फीति और वित्तीय स्थिरता को प्रभावित करेंगे। RBI हर साल छह MPC बैठकें आयोजित करता है, जो अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजारों के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। इन बैठकों के परिणाम बैंकों, उद्योगों और आम जनता पर व्यापक असर डालते हैं। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली MPC बैठक 6-8 अप्रैल, 2026 को होगी, जिसके नतीजे 9 अप्रैल, 2026 को घोषित किए जाएंगे। इस बैठक पर बाजार विशेषज्ञों और निवेशकों की करीबी नजर रहेगी।

दूसरे देशों को आर्थिक फैसले लेने में प्रभावित कर रहा है चीन

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन दशकों से दुनिया का कारखाना कहलाता था। लेकिन, अब वह नई पहचान बना रहा है। फाइनेंशियल एनालिस्ट हार्दिक जोशी का कहना है कि चीन की असली ताकत सिर्फ सामान बनाने में नहीं है। अलबत्ता, पैसे को कंट्रोल करने में है। जोशी ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में यह बात कही। उनका कहना है कि चीन लंबी अवधि की योजनाएं बना रहा है, जबकि बाकी देश सिर्फ थोड़े समय के मुनाफे के बारे में सोचते हैं। चीन दुनिया पर अपनी वित्तीय पकड़ मजबूत कर रहा है। अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज 2023 में 34 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया। लेकिन, चीन अभी भी उसे कर्ज देने वाले सबसे बड़े देशों में शामलि है। उसके पास 3.2 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार भी है। इससे उसे दुनिया के बाजारों पर प्रभाव डालने का मौका मिलता है। चीन के बैंक अब दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से भी ज्यादा संपत्ति को कंट्रोल करते हैं। इससे उसकी वित्तीय ताकत उसकी सीमाओं से बाहर भी बढ़ रही है। जोशी लिखते हैं, यह (चीन) सिर्फ एक अर्थव्यवस्था नहीं है, यह एक वित्तीय साम्राज्य बन रहा है। उनका कहना है कि बहुत से लोग अभी भी चीन को सिर्फ एक ऐसा देश मानते हैं जो सामान बेचता है। लेकिन, उसकी असली योजना इससे कहीं ज्यादा बड़ी है।

3700 करोड़ रुपए से अधिक का हुआ करार, सीएम साय ने निवेशकों से किया संवाद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने बेंगलुरु में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट मीट में देश के शीर्ष उद्योगपतियों और बिजनेस लीडर्स से संवाद कर राज्य में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। इस दौरान इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/आईटीईएस, खाद्य प्रसंस्करण और ग्रीन फ्यूल जैसे क्षेत्रों के कई बड़ी कम्पनियों ने 3700 करोड़ के निवेश प्रस्ताव सौंपें हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार ने आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नैसकॉम, इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन और द इंडस एंटरप्रेन्योर्स बैंगलोर के साथ महत्वपूर्ण एमओयू भी साइन किया है। सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ निवेश और उद्योगों के लिए देश के सबसे उभरते हुए राज्यों में से एक है। देश के सबसे समृद्ध खनिज संसाधन, सेंट्रल इंडिया की शानदार लोकेशन और कनेक्टिविटी के लाभ के साथ ही छत्तीसगढ़ में भरपूर बिजली-पानी, मानव संसाधन जैसी बुनियादी सुविधाएं हैं। सीएम श्री साय ने आगे कहा कि, डिजिटल टेक्नोलॉजी से छत्तीसगढ़ सुशासन का मॉडल स्टेट बन रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने अब निवेश के लिए कागजी झंझट खत्म कर दिया गया है। बस एक क्लिक में एनओसी मिलेगी और फैसला भी डिजिटल तरीके से होगा। नई औद्योगिक नीति से निवेश प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाया गया है। उन्होंने बताया नई उद्योग नीति में निवेश एवं रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए 1 हजार करोड़ रुपए अथवा एक हजार लोगों को रोजगार देने वाले उद्योगों को बी-स्पोक नीति का अवसर प्रदान किया गया है। इस नीति में 30 से 50 प्रतिशत तक एवं 200 से 450 करोड़ रुपए तक स्थायी पूंजी निवेश की प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। 5 से 12 वर्ष तक नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति, रोजगार एवं ईपीएफ प्रतिपूर्ति तथा प्रशिक्षण व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए आकर्षक प्रावधान किये गये हैं।

उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीति में हमने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक्स, कंप्यूटिंग, ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए आकर्षक प्रावधान रखे गये हैं। इसके साथ ही इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक्स, फार्मा, टैक्सटाइल, फूड एंड एग्रो प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में भी विशेष रियायत दी गई है। हम नवा रायपुर में फार्मास्यूटिकल पार्क भी स्थापित कर रहे हैं जो सेंट्रल इंडिया का सबसे बड़ा फार्मास्यूटिकल पार्क होगा।

सीएम श्री साय ने बताया कि रायपुर को हम मध्य भारत के सबसे बड़े आईटी हब के रूप में विकसित कर रहे हैं। यहाँ 1.6 बिलियन डालर का निवेश किया गया है जिससे यहां की अधोसंरचना देश के सबसे शानदार शहरों जैसी है। नवा रायपुर ग्रीनफील्ड शहर भी हैं जिससे आईटी इंडस्ट्री के विकास के लिए यहां भरपूर संभावनाएं हैं। इस मीट में उद्योग विभाग के मंत्री लखन लाल देवांगन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, सचिव राहुल भगत, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ की इन्वेस्टमेंट कमिश्नर ऋतु सैन, सचिव एस भारतीदासन, उद्योग और वाणिज्य विभाग के सचिव सौरभ कुमार, संचालक प्रभात मलिक और सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक विश्वेश कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर और सरगुजा को हमने सर्वाधिक औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन क्षेत्र के रूप में रखा है। यहां कोर सेक्टर प्रोत्साहन, आयरन और कोल रायल्टी में 50 से 100 प्रतिशत तक छूट है। सेस की प्रतिपूर्ति 150 प्रतिशत तक किये जाने का प्रावधान है। बस्तर में नगरनार स्टील प्लांट के पास ग्राम नियानार में हम 118 एकड़ में नये औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना करने जा रहे हैं इससे यहां बड़े पैमाने पर लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमों को स्थापना के अवसर मिलेंगे।

सम्मेलन में बीईएमएल, क्लेन पैक्स, कीन्स टेक्नोलॉजी, नैसकॉम, गोकुलदास एक्सपोर्ट्स, ब्रिटानिया, टाई बैंगलोर और कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स जैसी प्रमुख कंपनियों व औद्योगिक समूहों ने भाग लिया। इन कंपनियों ने छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति, अनुकूल नीतिगत वातावरण और मजबूत आधारभूत ढांचे की सराहना की।

हजारों किसानों को नहीं मिली फसल बीमा क्षतिपूर्ति राशि

किसान कांग्रेस ने उठाया मुद्दा किसानों को तुरंत दी जाये क्षतिपूर्ति राशि

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के विभिन्न तहसीलों के लगभग 8 हजार किसानों को वर्ष 2022 की रबी एवं खरीफ फसल क्षति का फसल बीमा क्षतिपूर्ति राशि 2 वर्ष से भी अधिक की अवधि व्यतीत होने के बाद भी अप्राप्त है। जिला किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चौधरी पुष्पेन्द्र सिंह अधिवक्ता ने बताया कि किसानों की क्षतिपूर्ति की राशि लाखों रूपये बकाया है और उन्हे फसल बीमा की राशि प्राप्त नहीं होने से असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है, इससे जिले के किसानों में आक्रोश व्याप्त है। किसानों ने अपनी फसल का प्रीमियम देकर फसल बीमा करवाया था, लेकिन फसल बीमा क्षतिपूर्ति की स्वीकृत राशि की जानकारी भी किसानों को नहीं दी गई। फसल बीमा कंपनी की लचर कार्यप्रणाली के कारण किसान इसका खामियाजा भुगत रहे हैं। फसल बीमा कंपनी और कृषि विभाग को किसानों को जानकारी देकर वर्ष 2022 की खरीफ एवं रबी फसल का मुआवजा प्राथमिकता से शीघ्रतिशीघ्र प्रदान किया जावे। किसान कांग्रेस ने छिंदवाड़ा जिले के लगभग 8 हजार किसानों को वर्ष 2022 रबी एवं खरीफ फसल क्षति का फसल बीमा क्षतिपूर्ति मुआवजा राशि का भुगतान किये जाने हेतु प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, पूर्व सांसद नकुलनाथ, कलेक्टर एवं उपसंचालक कृषि को ज्ञापन प्रेषित किया है।

मौलिक ठवरे का जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ चयन

छिंदवाड़ा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा सत्र 2024..25 में डिसेंट पब्लिक स्कूल पटपड़ा में अध्यनरत छात्र मौलिक ठवरे, पिता सुरेंद्र ठवरे, ,माता श्रीमती भावना ठवरे जो कि आंगनवाड़ी में सहायिका पद पर कार्यरत हैं, का चयन जवाहर नवोदय सिगोंड़ी की कक्षा 9 वी मे हुआ है। छात्र की सफलता पर शाला संचालक डी. पी. मालवीय ने छात्र के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं व बधाई दी। छात्र ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिजन ब शाला के शिक्षक, शिक्षिकाओं को दिया।

विश्व रंगमंच दिवस पर होगी रंग विचार संगोष्ठी

आईपीएस कॉलेज में होगा आयोजन, संस्था ओम मंच पर अस्तित्व के नए नाटक का मुहूर्त पाठ

छिंदवाड़ा। सकारात्मक रंगकर्म और सामाजिक सरोकारों के लिए समर्पित संस्था ओम मंच पर अस्तित्व

विश्व रंगमंच दिवस पर 27 मार्च को रंग विचार संगोष्ठी का आयोजन करेगा। स्थानीय इंदिरा प्रियदर्शिनी कॉलेज के सभागार में दोपहर 12 बजे यह कार्यक्रम रखा गया है। संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र आचार्य ने बताया कि इस गरिमामय आयोजन में वरिष्ठ साहित्यकार अवधेश तिवारी,समीक्षक डॉ.अमर सिंह, संदीप चवरे, वरिष्ठ रंगकर्मी केशव कैथवास,अभिनेता सी. पी.शर्मा, वरिष्ठ कहानीकार गोवर्धन यादव, दिनेश भट्ट, जैमिनी खानवे, कला पथक के प्रमुख कलाकार नरेन्द्र पाल, अभिजीत परमार सहित सुधि रंगप्रेमी और महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहेंगे। नाटक पाँचवा पराठा का पाठ भीसंस्था सचिव शिरिन आनंद दुबे ने बताया कि कार्यक्रम के द्वितीय चरण में देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार पद्मश्री गिरिराज किशोर की बहुचर्चित कहानी पाँचवा पराठा का नाट्य पाठ किया जाएगा। कहानी का नाट्य रूपांतरण, गीत व निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी विजय आनंद दुबे ने किया है।

श्रीखेड़ापति माता मंदिर में रखे जाएंगे मनोकामना कलश

छिंदवाड़ा। चैत्र नवरात्र पर वार्ड क्रमांक 16 के श्रीखेड़ापति माता मंदिर ग्राम देवी सिवनी प्राणमोती में 30 मार्च को मनोकामना कलश की स्थापना की जाएगी। मातारानी केभक्त विनोद तिवारी ने बताया कि अभी तक 67 मातारानी के भक्तों द्वारा मनोकामना कलश की स्थापना की जाएगी। श्री तिवारी ने बताया कि और भी श्रद्धालू मनोकामना कलश रखना चाहते हैं तो उनसे और समीति के लोगों से सम्पर्क कर सकते हैं।

सांसद से की मुलाकात,नवीन बोर की रखी मांग

छिंदवाड़ा। चौरई विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम पंचायत रामगढ़ के आश्रित ग्राम पिपरिया फतेहपुर एवं टूनवाड़ा में पेयजल की समस्या को लेकर ग्राम पंचायत रामगढ़ के सरपंच ने सांसद बंटी विवेक साहू से मुलाकात कर पेयजल समस्या से अवगत कराया, अशोक पंचेश्वर ने बताया कि सांसद ने पेयजल समस्या के लिए शीघ्र ही बोर कराये जाने का आश्वासन दिया है।

निगमायुक्त ने किया पीएम आवास योजना के भवनों का निरीक्षण

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत

इमलीखेड़ा में बन रहे एमआईजी भवनो का निरीक्षण बुधवार को नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय के द्वारा किया गया। इस दौरान आयुक्त के साथ नगर निगम के कार्यपालन यंत्री ईश्वर सिंह चंदेली उपस्थित रहे। निगम आयुक्त ने भ्रमण के दौरान आवास से संबंधित परिक्षेत्र की अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

आईपीएल सट्टे का आरोपी गिरफ्तार 3 प्रतिशत कमीशन में ली थी मास्टर आईडी

आईडी समेत आरोपी गिरफ्तार, आईफोन सहित लाखों का हिसाब किताब जब्त

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक अजय पांडे के निर्देशानुसार जिले में अवैध आईपीएल सट्टेबाजी पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता एवं नगर पुलिस अधीक्षक अजय राणा के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आईपीएल सट्टे का खुलासा किया है।

ऑनलाइन सट्टे की आईडी समेत आरोपी गिरफ्तार

गत रात को कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि छापाखाना निवासी यश गुप्ता (26 वर्ष) अपने मोबाइल से आईपीएल क्रिकेट सट्टे की मास्टर आईडी के जरिए लोगों को सट्टा खिला रहा है और अवैध रूप से धन अर्जित कर रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उपनिरीक्षक बृजेश रघुवंशी के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई।

पुलिस टीम ने मौके से आईफोन 13 प्रो (ब्लू रंग), 5000 रुपये नकद और लाखों रुपये का ऑनलाइन हिसाब-किताब बरामद किया। जब्त मोबाइल की जांच करने पर मिस्टर बेन प्लेटफॉर्म पर यूजर आईडी में क्रिकेट सट्टे की जानकारी मिली। इसके अलावा,ऐप पर सट्टे के लाइव रन और भाव भी दिख रहे थे, और के माध्यम से लेन-देन के रिकॉर्ड भी मोबाइल में मौजूद थे। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे यह मास्टर आईडी सौरभ प्रेमचंदानी (निवासी सिवनी) द्वारा 3प्रतिशत कमीशन पर दी गई थी।

आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज, एक फरार

पुलिस ने आरोपी यश गुप्ता के खिलाफ मध्य प्रदेश पब्लिक गैंबलिंग एक्ट की धारा 4(क) और धारा 49 बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में सौरभ प्रेमचंदानी (निवासी सिवनी) फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

कोतवाली पुलिस की सतर्कता से बड़ी कार्रवाई

थाना कोतवाली पुलिस की सतर्कता से आईपीएल सट्टेबाजी के इस नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने कहा कि अवैध सट्टेबाजी के खिलाफ जिले में लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसानों के केसीसी ऋण भुगतान की अंतिम तिथि को एक माह बढ़वाने की मांग

किसान मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल किसानों की समस्याओं को लेकर, जिला कलेक्टर एवं भाजपा अध्यक्ष से मिला

छिंदवाड़ा। भाजपा किसान मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश मंत्री संजय सक्सेन एवं जिला अध्यक्ष संजय पटेल के नेतृत्व में एडिशनल कलेक्टर बोपचे से मिला, प्रतिनिधिमंडल में जिला महामंत्री अलकेश साव , जिला उपाध्यक्ष महेंद्र पटेल , जिला मंत्री दीपक कुर्मी , मीडिया प्रभारी अश्वनी यदुवंशी , युवराज कहार आदि शामिल रहे। तथा कृषक सहकारी समितियों में, किसानों के केसीसी ऋण भुगतान की अंतिम तिथि को एक माह बढ़वाने, जिले में चल रही लगभग 6000 करोड़ की विभिन्न माइक्रो सिंचाई परियोजनाएं के कार्य में तेजी लाए जाने एवं उनकी जिलास्तर पर वृहद समीक्षा बैठक करवाए जाने, उद्यानिकी महाविद्यालय के भवन निर्माण एवं शैक्षणिक स्टाफ की पोस्टिंग करवाए जाने, आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही जिला कलेक्टर शीलेंद्रसिंह से भी दूरभाष पर चर्चा की। मोर्चा प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही जिले के सांसद विवेक बंटी साहू एवं मान विधायक गणों से भी समय लेकर, उपरोक्त समस्याओं पर उनका सहयोग मांगेगा। प्रतिनिधिमंडल ने बाद में जिला भाजपा कार्यालय पहुंचकर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव से भेंट कर, उपरोक्त विषयों पर चर्चा कर उनका सहयोग मांगा, जिसपर उन्होंने किसानहित में पूरा प्रयास करने का आश्वासन दिया। इसी क्रम में जिला उपसंचालक कृषि जीतेन्द्रसिंह से भी उनके कार्यालय में मिलकर विचार विमर्श किया गया। तथा छिंदवाड़ा तहसील के किसानों की समस्याओं को लेकर तहसीलदार नगरीय क्षेत्र श्री त्रिपाठी एवं ग्रामीण क्षेत्र श्री तुमराली से भी मुलाकात की गई।

4 एकल समूह परासिया, चांदामेटा, जुन्नारदेव, दमुआ की टेण्डर प्रक्रिया 28 को

छिंदवाड़ा। राज्य शासन के द्वारा वर्ष 2025-26 अर्थात् दिनांक 01 अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2026 तक की अवधि के लिये ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन) के पंचम चरण में निष्पादन से शेष छिन्दवाड़ा जिले की 32 कम्पोजिट मदिरा की फुटकर बिक्री की दुकानों के 04 एकल समूह-परासिया, चांदामेटा, जामई एवं दमुआ का वर्तमान वर्ष 2024-25 के वार्षिक मूल्य में 20 प्रतिशत की वृद्धि कर निर्धारित आरक्षित मूल्य पर मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 47 दिनांक 14 फरवरी, 2025 के अध्यधीन निष्पादन ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन) षष्ठम चरण के माध्यम से दिनांक 28 मार्च, 2025 को निष्पादन किया जाना है। एम.पी. टेण्डर्स के पोर्टल पर ऑनलाईन ई-टेण्डर प्रपत्रों का विक्रय दिनांक 26 मार्च, 2025 से प्रारंभ हो गया है।जिला आबकारी कार्यालय, छिन्दवाड़ा से ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शचन) के लिये निर्धारित आवेदन पत्र एवं प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर, दिनांक 28 मार्च, 2025 को प्रातः 11.30 बजे तक आवेदन पत्र क्रय एवं जमा किये जा सकेंगे। जिसके लिये इच्छुक पात्र आवेदक (व्यक्तियों/फर्म/कम्पनी) को ई-आबकारी के पोर्टल पर ऑनलाईन कॉन्ट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन कराया जाना अनिवार्य है। कॉन्ट्रेक्टर रजिस्टर्ड इच्छुक पात्र आवेदक ही निष्पादन की कार्यवाही में भाग ले सकते है।वर्ष 2025-26 के लिये कम्पोजिट मदिरा दुकानों/एकल समूहों का ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्श न) से संबंधित नियम एवं शर्तो का अवलोकन कार्यालयीन समय में सार्वजनिक अवकाशों सहित कार्यालय में उपस्थित होकर कर सकते है।

जिला ऐथेलेटिक्स संघ द्वारा 15 दिन का ग्रीष्मकालीन कैम्प आयोजित

छिन्दवाड़ा। जिला ऐथेलेटिक्स संघ के सचिव एवं कोच राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुये बताया कि आगामी 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2025 तक स्टेडियम ग्राउण्ड में ग्रीष्मकालीन कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी व कोच द्वारा प्रशिक्षण दिया जावेगा । जिसमें राजेन्द्र सिंह ठाकुर ,सुमंत लकड़ा ,यश कुमार , शिवम् यादव आदि । इस कैम्प में जिले के 10 वर्ष से अधिक आयु के सभी बालक बालिका भाग ले सकते है। कैम्प में आगामी राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं हेतु खिलाड़ियों का चयन भी किया जायेगा। जिले के खिलाड़ियों के लिये यह एक सुनहरा अवसर होगा। ऐथेलेटिक्स संघ के अध्यक्ष अभय दुग्गड़ द्वारा कैम्प में भरपूर सहयोग दिया जा रहा है। अध्यक्ष जी के सहयोग से जिले के कई खिलाड़ी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर चुके है। सर्वोत्तम हेल्थ क्लब स्टेडियम ग्राउण्ड छिन्दवाड़ा में सुबह व शाम खिलाड़ी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का मुरैना में 25वां महा अधिवेशन संपन्न हुआ उसमें दया प्रसाद संयुक्त सचिव मध्य प्रदेश को सम्मानित किया गया।

पत्रकारों ने पहली बार किया संसद का भ्रमण

संसद भ्रमण के लिए गए पत्रकारों के साथ सांसद बंटी विवेक साहू ने किया भोजन

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू के प्रयासों से छिन्दवाड़ा के पत्रकारों को नए संसद भवन का भ्रमण कराया गया। इस दौरान पत्रकारों ने संसद में चल रही शुन्यकाल की कार्यवाही को संसद भवन में दर्शक दीर्घा में बैठकर देखा। वही सांसद साहू ने दोपहर एवं रात के समय का भोजन सभी पत्रकारों के साथ बैठकर किया। संसद भवन पहुंचे पत्रकारों ने बताया कि छिन्दवाड़ा के इतिहास में यह

पहली बार हुआ कि किसी सांसद ने सम्पूर्ण व्यवस्था के साथ पत्रकारों को संसद भवन सहित दिल्ली का भ्रमण कराया और साथ में बैठकर दोपहर और रात का भोजन भी किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों छिन्दवाड़ा के पत्रकारों ने सांसद श्री साहू से मुलाकात करते हुए नए संसद भवन के भ्रमण के साथ संसद की कार्यवाही देखने के लिए निवेदन किया था। जिसके आधार पर सांसद साहू ने पत्रकारों के दिल्ली भ्रमण की सम्पूर्ण व्यवस्था करते हुए उन्हें दिल्ली चलने का अवसर दिया था। पत्रकारों ने कहा कि अभी तक हम संसद की कार्यवाही को टी.व्ही. या मोबाईल में ही देखते आये है, लेकिन आज पहली बार यह अवसर मिला कि हम संसद की कार्यवाही को प्रत्यक्ष रूप से देख सकें। वहीं सांसद श्री साहू ने इस अवसर पर सांसद नहीं बल्कि एक बड़े भाई की भूमिका निभाते हुए हमारे साथ भोजन किया। इस दौरान पत्रकारों ने संसद की कार्यवाही के अलावा दिल्ली में इंडिया गेट सहित अन्य स्थानों का भी भ्रमण किया। दिल्ली भ्रमण पर गये पत्रकारों में महेश चांडक, श्याम साहू, आशीष ठाकुर, ओमप्रकाश सोनवंशी, दिनेश बंदेवार एवं शाश्वत शर्मा ने उन्हें संसद भ्रमण कराने पर सांसद बंटी विवेक साहू का आभार व्यक्त किया है।

विद्यार्थियों ने न्यायालय का किया भ्रमण, जानी न्यायिक प्रक्रिया

छिंदवाड़ा। शासकीय विधि महाविद्यालय छिंदवाड़ा में विद्यार्थियों को लीगल एड एवं कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में प्रथम अपर जिला एवं अतिरिक्त सत्र छिंदवाड़ा के न्यायाधीश संकर्षण प्रसाद पाण्डेय के निर्देशन में जिला एवं सत्र न्यायालय का भ्रमण कराकर न्यायालयीन प्रकिया से रूबरू कराया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीके अकोदिया ने बताया की 6 वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने जिला सत्र एवं न्यायालय में भ्रमण के दौरान परिवार न्यायालय, सिविल न्यायालय, जिला अभियोजन कार्यालय, जिला उपभोक्ता फोरम, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऑफिस में भ्रमण के दौरान न्यायालयीन कार्यवाही देखीं। साथ ही जिला अधिवक्ता संघ के कार्यालय में स्थित पुस्तकालय में अधिवक्ता संघ के जिलाध्यक्ष राजकुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को बार एसोसिएशन के अधिवक्ता को दिए जाने वाले सुविधाओं की जानकारी दी। इस मौके जिला अधिवक्ता संघ के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। जिला अभियोजन कार्यालय में अधिकारियों ने छात्रों को अभियोजन के कार्यो से अवगत कराया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने विधिक सेवा समिति के माध्यम से दी वाली निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी। सिविल एवं अपराधिक मामलों के बारें में विस्तार पूर्वक समझा गया। विद्यार्थियों के इस भ्रमण दल ने सहायक प्राध्यापक डॉ दम्यंती कटरे, कमलेश चरपे के मार्गदर्शन में न्यायालय का भ्रमण किया। भ्रमण दल में विद्यार्थियों में उमेश साहू, दिव्या सोनी, आशुतोष धुर्वे, सुरेखा धुर्वे, रितिक तिवारी, उमेश सूर्यवंशी, आराधना यादव, अवंतिका उइके, वैष्णवी जवारे, ब्रजलाल इनवाती, प्रीति सातनकर, आयुष ए प्रसाद, गगन भलावी, योगेश लोधी, अनुशिखा, आनंद, वीरेन्द्र, आकाश, प्रकाश, अनिल, नीलेश आदि छात्र-छात्राओं का समावेश था।

केंद्रीय गृह मंत्री एवं रक्षा मंत्री से मिले भाजपा जिलाध्यक्ष और सागर सांसद

अमित शाह और राजनाथ सिंह ने जिले की सूक्ष्म जानकारी प्राप्त कर संगठन के लिए दिए दिशा निर्देश

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव एवं सागर सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव एवं सागर सांसद श्रीमती लता वानखेड़े से जिले और संगठन की सूक्ष्म जानकारी प्राप्त की तथा संगठन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर संपन्न

दमोह। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आलोक जैन के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का समापन अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

एनएसएस पूर्व जिला संगठक डॉ कमल चौरसिया ने शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा एनएसएस के माध्यम से युवाओं को नेतृत्व प्रशिक्षण प्रदान करना और उन्हें समाज सेवा के लिए प्रेरित करना हमारे देश के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कीर्तिकाम दुबे, पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य टी के श्रीवास्तव, अर्थशास्त्र के प्राध्यापक डॉ हरिओम दुबे, एनसीसी अधिकारी डॉ के एस बामनिया एनएसएस जिला संगठक, कार्यक्रम अधिकारी नाज़नीन बेगम, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सिद्धार्थ जवारकर विशिष्ट अतिथियों एवं विद्वानों ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया एवं शिविर के दौरान उनके अनुभव को सुना।अतिथियों ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और प्रमाण पत्र प्रदान किए।कार्यक्रम का संचालन डॉ जितेंद्र धाकड़ ने किया और शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि युवाओं को नेतृत्व प्रशिक्षण प्रदान करना, उन्हें समाज सेवा के लिए प्रेरित करना, और राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की भावना को प्रोत्साहित करना था।

खनिज विभाग के अमले पर रेत माफिया का ताबड़तोड़ हमला

रेत माफियाओं के सामने क्यों नतमस्तक हुआ जिला प्रशासनः उइके

छिन्दवाड़ा। जिला छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्ना में बढ़ते अपराध व संगठित माफियाराज के खिलाफ कांग्रेस लगातार सवाल उठा रही है। जिला प्रशासन से लेकर पुलिस प्रशासन को चौपट हो चुकी कानून व्यवस्था में सुधार लाने हेतु निरंतर चेताया जा रहा, किन्तु जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी व सत्ता के मठाधीश नहीं जागे, क्योंकि कहीं ना कहीं इन्हीं की सह पर जिलेभर में रेत माफियाओं का आतंक है। वरना किसी की इतनी मजाल कहां कि वह प्रशासनिक अमले पर जानलेवा हमला कर भाग निकले। विगत एक सप्ताह के भीतर दो प्रशासनिक विभाग की टीम पर रेत माफियाओं के द्वारा किया गया जानलेवा हमला घोर निंदनीय है। जिला प्रशासन व भाजपा सरकार के लिए यह बेहद शर्मनाक भी है। उक्त उदगार जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से पांढुर्ना विधायक निलेश उइके ने व्यक्त किए। निलेश उइके ने जारी बयान में आगे कहा कि विगत 45 वर्षों से छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र अमन, शांति व सौहार्द का टापू रहा है। क्योंकि मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी ने कभी भी संगठित अपराध को बढ़ने नहीं दिया। जिले में गुंडाराज व माफियाराज को पनपे नहीं दिया, ना ही कांग्रेस पार्टी ने कभी अपराधियों को संरक्षण दिया। किन्तु विगत एक वर्ष में भाजपा की सत्ता व संगठन के परिरक्षण में रेत माफिया, शराब माफिया, भू माफिया, जुआ व सट्टा खिलाने वाले खुलेआम वारदात को अंजाम दे रहे। चरमरा चुकी कानून व्यवस्था पर जब-जब कांग्रेस ने जनहित में सवाल उठाए तो भाजपा के जिम्मेदारों को इतना बुरा लगा कि वे भाषा की मर्यादा तक भूल गए। भाजपा के हाथों की कठपुतली बनकर नाच रहे जिले के आला अफसरों ने भी निस्तोनाबूत होती कानून व्यवस्था को बचाने पर ध्यान नहीं दिया, न ही अपनी नैतिक जिम्मेदारियों व कर्तव्यों का पालन किया। फलस्वरूप आज माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो गए कि अब वे प्रशासनिक टीम को भी नहीं बख्श रहे। रेत का अवैध खनन व परिवहन रोकने पहुंच रहे प्रशासनिक अमले को खुली चुनौती देते हुए उन पर जानलेवा हमला कर फरार हो रहे। इतना सबकुछ

घटित होने के बाद भी भाजपा की सरकार, पुलिस व प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा है। आखिर भाजपा सरकार क्यों अपराधियों की पक्षधर बनी हुई है श्री उइके ने आगे कहा कि विगत एक सप्ताह के भीतर वन विभाग और खनिज विभाग की टीम पर रेत माफियाओं के द्वारा हमला किया जाना और हमलावरों का भाग निकलना भाजपा सरकार के लिए शर्मनाक है तो वहीं पुलिस और प्रशासनिक अमले के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन करने वाले तस्करों के हौसले बुलंद है। विगत 17 मार्च 2025 को पश्चिम वन मंडल के अंतर्गत सांवरी रेंज से लगे हीरावाड़ी वृत्त में आने वाले बड़गौना गांव में रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन रोकने पहुंचे वन अमले को ट्रैक्टर से रौंदने का प्रयास किया गया।

बीना कटनी रेल खंड , पथरिया दमोह के बीच तीसरी रेल लाइन कार्य में अवैध उत्खनन करते दो पोकलिन व तीन डंपर जब्त

पथरिया में खनिज विभाग की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

दमोह। बीना कटनी रेल खंड के तीसरी लाइन कार्य के चलते पथरिया दमोह के बीच में लंबे समय से कार्य चल रहा है जिसमें रेलवे विस्तार के लिए अवैध खनन करके रेलवे के लिए मुरम सप्लाई की शिकायत लगातार सामने आ रही थी इसी दौरान बुधवार दोपहर में खनिज विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई इस संबंध में खनिज अधिकारी मेजर सिंह जमरा ने जानकारी देते हुऐ बताया कि बेलखेड़ी ग्राम में शिकायत प्राप्त हुई थी जिसकी हमने जांच की तो खसरा क्रमांक 337 /1 पर तस्ड्ड कम्पनी जो रेलवे ट्रेक का निर्माण कर रही है उनके द्वारा उक्त खसरे से मुरम का खनन करके रेलवे ट्रैक पर डाल रही थी वहां पर से हमने तीन डंपर जप्त करके थाने में खड़े किये है और दो पोकलेन मशीन भी जप्त की है जो मौके पर ही खड़ी है।

मप्र में पहली बार 7 शहरों में पारा 40° पार

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-उज्जैन में भी गर्मी बढ़ी, अगले 2 दिन रहेगी थोड़ी राहत

भोपाल। मध्यप्रदेश में गर्मी के इस सीजन में पहली बार 7 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। बुधवार को नर्मदापुरम, रतलाम, बड़वानी, नौगांव, शिवपुरी, गुना-दमोह में पारे में यह बढ़ोतरी देखने को मिली, जबकि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन भी गर्म रहे। मौसम विभाग ने अगले 2 दिन यानी, 28-29 मार्च को गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार को नर्मदापुरम में 40.9 डिग्री, रतलाम में 40.2 डिग्री, तालुन (बड़वानी) में 40.2 डिग्री, नौगांव (छतरपुर), शिवपुरी, गुना-दमोह में अधिकतम तापमान 40 डिग्री दर्ज किया गया।

वहीं, 13 शहर- ग्वालियर, उज्जैन, खजुराहो, धार, टीकमगढ़, मंडला, सागर, सतना, शाजापुर, उमरिया, सिवनी, खरगोन और बैतूल में तापमान 39 डिग्री या इससे अधिक रहा। बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में 39.9 डिग्री, उज्जैन में 39 डिग्री, भोपाल में 38.8 डिग्री, इंदौर में 38.2 डिग्री और जबलपुर में पारा 38 डिग्री दर्ज किया गया।

30-31 मार्च को चल सकती है लू

मार्च के आखिरी दो दिन प्रदेश में लू का असर रह सकता है। मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू का असर रहने की संभावना है। जिनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार आदि शामिल हैं।

सामान्य से 4.5 डिग्री से अधिक पहुंचा पारा

पिछले 2 दिन से प्रदेश में गर्मी का असर बढ़ा है। दिन में तीखी धूप खिल रही है। इस कारण लोग बचने के तरीके ढूंढते हैं। दूसरी ओर, कई शहरों में पारा सामान्य से 1 डिग्री से 4.5 डिग्री तक अधिक है। नौगांव में बुधवार को दिन का तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया। यहां सामान्य से 4.5 डिग्री ज्यादा है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य शहरों में भी दिन का तापमान बढ़ गया है। रात के तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। कई शहर में पारा 22 डिग्री तक चल रहा है।

शहर में लोकेशन की संख्या 3883 से घटाकर 2885 कर दी गई

भोपाल। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तावित प्रॉपर्टी की कलेक्टर गाइडलाइन की प्रस्तावित दरों में बदलाव की संभावना कम है। नई दरों का प्रस्ताव गुरुवार को जस का तस भेजे जाने की तैयारी है। हालांकि, अंतिम निर्णय गुरुवार शाम 4 बजे होने वाली बैठक में लिया जाएगा। इसके बाद इसे फाइनल मुहर लगाने के लिए पंजीयन विभाग को भेज दिया जाएगा। अंतिम निर्णय वहीं से लिया जाएगा। अब शहर में लोकेशन की संख्या

3883 से घटाकर 2885 कर दी गई हैं। शहर के कुछ हिस्सों में एरिया के हिसाब से गाइडलाइन निर्धारित कर दी गई हैं।

गौरतलब है बुधवार को शहर में 490 रजिस्ट्रियां हुई, ये मार्च महीने में एक दिन में सबसे ज्यादा संख्या है। इसका असर यह होगा कि मुख्य सड़क और उसके पीछे की गलियों में भी प्रॉपर्टी गाइडलाइन एक समान हो जाएगी। इस कारण मुख्य सड़क की प्रॉपर्टी और इसके पीछे की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराने पर स्टाम्प शुल्क के साथ ही दूसरे शुल्क भी बराबर ही लगेंगे। गाइडलाइन में औसतन 18 प्रतिशत की वृद्धि कराने का प्रस्ताव है। 2885 लोकेशन में से 1283 लोकेशन पर 5 से 300 प्रतिशत वृद्धि किए जाने की तैयारी है। प्रस्तावित गाइडलाइन में इसी तरह के बदलावों के चलते लगातार इसका विरोध किया जा रहा है। हालांकि, गुरुवार को बैठक कर प्रस्ताव को केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजा जाएगा। जैसे-जैसे मार्च बीत रहा है, रजिस्ट्री कार्यालयों में भीड़ बढ़ रही है। मार्च के अंतिम दिनों में यह संख्या 1000 तक पहुंचने की उम्मीद है। बीते साल यह आंकड़ा 900 तक पहुंचा था।

भारतीय सेना ने भोपाल सैन्य स्टेशन पर सहज योग कार्यशाला का आयोजन किया

भोपाल। सुदर्शन चक्र कोर ने 24 मार्च से 26 मार्च 2025 तक भोपाल सैन्य स्टेशन पर एक विशेष सहज योग कार्यशाला का आयोजन किया। इस दुर्लभ और महत्वपूर्ण कार्यक्रम में 3000 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें सेवारत अधिकारी, सैनिक, परिवार और आर्मी पब्लिक स्कूल के छात्र शामिल थे। कार्यशाला का संचालन सहज योग ट्रस्ट, पुणे के समन्वयक ब्रिगेडियर पीएस शिओडे (सेवानिवृत्त) ने किया। यह तीन दिनों में तीन अलग-अलग स्थानों पर सुबह और शाम को आयोजित की गई, ताकि अधिकतम भागीदारी और लचीलापन हो सके। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहज योग तकनीकों के माध्यम से समग्र कल्याण को बढ़ावा देना था, जिससे प्रतिभागियों को आंतरिक शांति, भावनात्मक संतुलन और आध्यात्मिक जागृति का अनुभव हो सके। निर्देशित ध्यान और आत्म-साक्षात्कार के माध्यम से, उपस्थित लोगों ने अवचेतन शक्ति और समग्र कल्याण को बढ़ाने में सहज योग की परिवर्तनकारी शक्ति की खोज की। इस कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल प्रीत पाल सिंह, एवीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग और श्रीमती नंदिता सिंह, जोनल अध्यक्ष, आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (ड्ढ्ढ्ढ) ने भाग लिया। बड़े पैमाने पर भागीदारी ने व्यक्तिगत विकास और सद्भाव के लिए आध्यात्मिक प्रथाओं में बढ़ती रुचि को दर्शाया। यह कार्यक्रम भारतीय सेना की अपने कर्मियों और उनके परिवारों के बीच शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण था।

नरसिंहपुर में आग हादसा, खाक हो गई 25 एकड़ गेहूं की फसल

नरसिंहपुर। गर्मी बढ़ते ही आगजनी की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। ये किसानों के लिए बहुत ही कठिन समय में है, क्योंकि इस समय किसानों की फसल पककर तैयार हो चुकी है। ऐसे में जरा सी चिंगारी किसानों की सारी मेहनत आग में जलकर खाक हो सकती है। ताजा मामला नरसिंहपुर

जिले में साली चौका क्षेत्र के ग्राम मारेगांव से सामने आया है। यहां गेहूं की खड़ी फसल में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि किसानों के देखते ही देखते 25 एकड़ की फसल जलकर राख हो गई। मारेगांव में खेतों में लहलहा रही गेहूं की फसल अब राख में तब्दील हो चुकी है। आग इतनी तेज थी कि स्थानीय लोग जब तक कुछ समझ पाते, तब तक खेतों में खड़ी फसल लपटों की चपेट में आ चुकी थी। आग लगने की सूचना पर स्थानीय लोग और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक किसानों को लाखों का नुकसान हो चुका था।

उमरिया में नवजात शिशु का अपहरण पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर मां से मिलाया, आरोपी महिला गिरफ्तार

उमरिया। जिले में एक दो महीने के नवजात शिशु के अपहरण का मामला सामने आया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चे को सुरक्षित बरामद कर उसकी मां से मिला दिया। इस मामले में आरोपी महिला रामकली कोल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। फरियादिया ने थाना कोतवाली उमरिया में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके नवजात शिशु को आरोपी महिला रामकली कोल बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई। महिला आरोपी ने फरियादिया को समझाया कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है और वह अपने बच्चे की देखभाल सही से नहीं कर पाएगी, इसलिए वह स्वयं बच्चे की देखभाल करेगी। जब फरियादिया ने बार-बार बच्चे को वापस मांगा, तो आरोपी महिला ने उसे लौटाने से इनकार कर दिया।

ईडी की रिपोर्ट- जब्त सोना और कैश सौरभ का ही है

अनुपातहीन संपत्ति के मामले में एक्शन, 100 करोड़ की संपत्ति जब्त

भोपाल। आरटीओ के पूर्व आरक्षक करोड़पति सौरभ शर्मा ने आयकर विभाग की जांच में भले ही यह स्वीकार नहीं किया है कि राजधानी के मेंडोरी में इनोवा कार में मिला 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए कैश उसका नहीं है लेकिन ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) भोपाल की रिपोर्ट में कहा है कि यह सोना और कैश सौरभ का ही है। ईडी ने सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल से पूछताछ के बाद 100.36 करोड़ की संपत्ति कुर्क कर ली है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने बुधवार को जारी सूचना में कहा है कि पूर्व आरटीओ आरक्षक सौरभ शर्मा द्वारा अपने और रिश्तेदारों, सहयोगियों के नाम पर करोड़ों रुपए की संपत्ति जुटाई है। इसकी पड़ताल के बाद ईडी ने इन सबके स्वामित्व वाली, कंट्रोल वाली फर्म, कंपनियां, सोसायटी के नाम पर अर्जित 92.07 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया है। ईडी ने इसे आपराधिक आय (पीओसी) दर्शाते हुए यह कार्रवाई की है। इन संपत्तियों को उनकी आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत ईडी ने कुर्क किया था।

ईडी ने कहा-जब्त सोना, कैश सौरभ का ही- ईडी की रिपोर्ट के अनुसार इन सहयोगियों, संस्थाओं में शरद जायसवाल, चेतन सिंह गौर, मेसर्स अविरल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स अविरल एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स यू आर इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड आदि शामिल हैं। ईडी ने रिपोर्ट में कहा है कि आयकर विभाग ने चेतन सिंह गौर की इनोवा गाड़ी से नकदी और सोना जब्त किया था। ईडी की जांच में पता चला है कि इनोवा कार से जब्त नकदी और सोना सौरभ शर्मा का ही था।

ब्लैक मनी को व्हाइट कर अनसेफ लोन

ईडी ने लोकायुक्त पुलिस भोपाल द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(2) के साथ 13(1)(बी) के तहत सौरभ शर्मा के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। ईडी की जांच में पता चला कि सौरभ शर्मा ने अपने परिवार के सदस्यों, मित्रों, सहयोगियों और कंपनियों, फर्मों, सोसाइटी के नाम पर भी अलग-अलग चल और अचल संपत्तियां खरीदी थीं। इसमें अवैध तरीके से आपराधिक गतिविधि के माध्यम से मिली ब्लैक मनी को व्हाइट करके कई अज्ञात व्यक्तियों से अनसेफ लोन की व्यवस्था की गई थी।

इससे पहले सौरभ शर्मा, चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था और वे वर्तमान में न्यायिक हिरासत में (जेल में बंद) हैं। ईडी ने कहा है कि पहले भी तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की गई थी जिसके कारण 8.29 करोड़ रुपए के बैंक बैलेंस वाले बैंक खातों को फ्रीज कर दिया था और 2.50 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई थी। साथ ही 14.20 लाख रुपए और 9.17 लाख रुपए की चांदी जब्त की गई है। अब तक ईडी द्वारा इस मामले में कुल 100.36 करोड़ रुपए की कुर्की और जब्ती की गई है।

इधर, पूर्व उपनिदेशक की 95 लाख की प्रॉपर्टी भी कुर्क

इधर, एक अन्य कार्यवाही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इंदौर उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के अंतर्गत नगरीय प्रशासन विकास विभाग इंदौर एवं उज्जैन पूर्व उप निदेशक अशोक शर्मा के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्यवाही की है। शर्मा के विरुद्ध की गई जांच के 95 लाख रुपए की अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया है।

नवरात्रि में मीट की दुकानें बंद रखने की मांग

भोपाल में संस्कृति बचाओ मंच ने उठाई मांग अष्टमी-नवमी पर शराब भी नहीं बिके

भोपाल। नवरात्र के दौरान भोपाल में मीट दुकानें बंद रखने की मांग की गई है। संस्कृति बचाओ मंच ने यह मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि महाष्टमी और नवमी पर शराब की बिक्री पर भी रोक लगाई जाए। मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया, 30 मार्च से हिंदू नववर्ष और नवरात्र प्रारंभ हो रहे हैं, इसलिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से नवरात्र के नौ दिन तक मीट दुकानों को पूरी तरह से बंद रखने की मांग की है। जल्द ही मुख्यमंत्री से भी मिलेंगे। वहीं, भोपाल कलेक्टर को आवेदन सौंपकर यह मांग करेंगे।

इसलिए उठाई मांग- मंच के तिवारी ने बताया, भोपाल में कई मंदिरों से कुछ दूर ही मीट दुकानें हैं। यही से श्रद्धालु गुजरते हैं। इस कारण उपवास में अशुद्धता का भाव उत्पन्न होता है। इसलिए दुकानों को पूर्णत- बंद किए जाने की मांग है।

दो दिन तक शराब दुकानें भी बंद हो- मंच ने महाष्टमी और रामनवमीं के दिन शराब की दुकानों को भी बंद करने की मांग की है। बता दें कि शहर में हर रोज करीब 4 करोड़ रुपए कीमत की शराब बिकती है। यहां कुल 85 दुकानें हैं।

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मैहर में पहुंच कर मैहर के श्रीराम दरबार मंदिर में प्रभु श्रीराम और शक्ति स्वरूपा शारदा भवानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

शिक्षक संगठन ने गर्मी में स्कूलों को सुबह की पाली में लगाने का कहा

भोपाल। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत 1 अप्रैल से होने जा रही है। इस बीच गर्मी का मौसम भी अपना असर दिखाने लगा है। शासकीय शिक्षक संगठन ने शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव और आयुक्त से स्कूलों का समय बदलने की मांग की है। संगठन का कहना है कि सरकारी स्कूलों में पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। बिजली, पानी और हवादार कक्षाओं की कमी से विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।शिक्षक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि संगठन के पदाधिकारी इस मांग को लेकर शिक्षा मंत्री और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलेंगे। साथ ही जिलों में कलेक्टरों को भी ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन की मुख्य मांग है कि स्कूलों की कक्षाएं सुबह की पाली में संचालित की जाएं।

मप्र के 5 निरीक्षकों ने कहा हमें प्रमोशन नहीं चाहिए, निरीक्षक ही रहने दो

भोपाल। सरकारी महकमे में प्रमोशन के लिए टांग खिंचाई होना जग जाहिर पर मप्र के पांच इंस्पेक्टर्स ने प्रमोशन आदेश को कैंसिल करा लिया है। उनका कहना है कि हमें निरीक्षक ही रहने दो। इन्हें प्रमोशन के बाद हाल ही में कार्यवाहक डीएसपी बनाया गया था। इसके लिए पांचों इंस्पेक्टर्स ने पुलिस मुख्यालय के उस आदेश को आधार बनाया है, जिसमें प्रमोशन का लाभ न चाहने पर उन्हें यथावत रहने दिया जाएगा। पांचों इंस्पेक्टर्स ने पुलिस मुख्यालय की प्रशासन शाखा को आवेदन लिखकर दिया कि उन्हें इंस्पेक्टर के पद पर ही रहने दिया जाए। नियम को मानते हुए पुलिस मुख्यालय ने पांचों इंस्पेक्टर्स का कार्यवाहक डीएसपी का आदेश निरस्त कर दिया है। प्रमोशन न चाहने वालों में तहजीब काजी, रीतेश साहू, गोपाल परमार, भूर सिंह चौहान और खिलावन सिंह कंवर शामिल हैं।

दरअसल दिसंबर 2023 में पुलिस मुख्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर स्तर के पुलिसकर्मियों की प्रमोशन प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद पुलिस मुख्यालय ने 15 दिन के भीतर एक हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों की प्रमोशन लिस्ट जारी कर दी थी। इसके बाद प्रदेश के 84 इंस्पेक्टर्स को कार्यवाहक डीएसपी बनाया गया था। पुलिस अफसरों को वन टर्म प्रमोशन देने की प्रक्रिया पिछले कुछ सालों से शुरू हुई है। दरअसल, प्रदेश में पदोन्नति पर कोर्ट की रोक होने के कारण पुलिस अफसरों को कार्यवाहक पद देकर पदोन्नति दी जा रही है। इसी क्रम में इन दिनों पुलिस अफसरों को प्रमोशन दिए जा रहे हैं। इसके तहत उन्हें उच्च पद का प्रभार दिया जाता है।

हमारे संविधान के अधिकार और कर्तव्य समन्वय विकास का प्रारूप बनाते हैं

भोपाल। प्रदेश विधानसभा के मानसरोवर सभागार में विकसित भारत की थीम पर बुधवार से राज्य स्तरीय युवा संसद का आयोजन किया गया है। पहले दिन सीधी विधायक रीति पाठक, विधानसभा के सचिव, राष्ट्रीय सेवा योजना के सचिव मौजूद थे। गुरुवार को दूसरे और अंतिम दिन युवा संसद में परिचर्चा का विषय भारतीय संविधान के 75 वर्ष, अधिकार, कर्तव्य और प्रगति की यात्रा. है। हर वक्ता को बोलने के लिए तीन मिनट का समय तय किया गया है। गुरुवार को गौरव राठौर ने कहा- हमारे देश का संविधानिक विकास बहुत गौरवशाली रहा है। हमारे संविधान के अधिकार और कर्तव्य समन्वय विकास का प्रारूप बनाते हैं। इसीलिए हर व्यक्ति को यह जानने की जरूरत है कि वह क्या कर सकता है। अयान शेख ने अंग्रेजी में संबोधन दिया। उन्होंने कहा- वो भारत जहां कृष्ण ने कर्म का ज्ञान दिया, कुरुक्षेत्र में धर्म का दान दिया। जहां भगत सिंह ने फांसी हंसकर पाई, भारत पर आजादी की बलि छाई। ये वो भारत है। संविधान केवल एक डॉक्यूमेंट नहीं, ये एक सुनहरा भविष्य है। संविधान हमारी ढाल जरूर है, लेकिन मैं इसकी तलवार बनना चाहूंगा।

रश्मि नागदेव ने कहा- रुतबा मेरे शीश को इस संविधान ने दिया है। ये सम्मान भी मुझे मेरे संविधान ने दिया है। हर चीज मुझे संविधान से मिली है। औरों को जो मिला है वो मुकद्दर से मिला है। लेकिन, मुझे ये मुकद्दर भी इस देश के संविधान से मिला है। उन्होंने कहा- स्वतंत्रता कुछ जिम्मेदारियों के साथ आती है। जिम्मेदारियां हैं जो हमारे संविधान में पार्ट-4 ए के अंतर्गत आती हैं। महात्मा गांधी ने कहा था कि कर्तव्य सबसे बड़ा धर्म है।

सुरेश प्रजापति ने कहा- आरक्षण के इस दौर में, एक मां की कोख में उन बेटियों को आरक्षण दिलाना चाहता हूं। मैं भारतीय संविधान के साथ इस भारत का निर्माण करना चाहता हूं।भारतीय संविधान जो एक लाख 45 हजार 500 शब्दों के साथ विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। इसी संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर हम संविधान अमृत वर्ष मना रहे हैं। सुरेश ने कहा- प्रगति की राह में हम देखते हैं कि जिस तरह से लोकतंत्र का विकास हुआ है उसमें साफतौर पर देखा जा सकता है कि दलितों पिछड़ों और महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। जो भारत देश पहले धर्म ग्रंथों के आधार पर चलता था, यही भारत देश संविधान की एक किताब के आधार पर चलता है। जिसमें मनुष्यता, न्याय और एकता है। जब इसी संविधान के ऊपर नासमझ लोगों द्वारा उंगलियां उठाई जाती हैं, तो मुझे एक कविता याद आती है-

तू सींग मारती गाय सी, मैं कोने में दुबका बैल प्रिये
मैं पीपल सा सीधा-सादा, तुम उस पर लटकी चुड़ैल प्रिये।

आशुतोष पाठक ने कहा कि मैं मप्र में शिक्षा की अलख जगाने वाले डॉ हरिसिंह गौर की पुण्य धरा से आया हूं। जब हमारा देश आजाद हुआ था तो चर्चिल ने कहा था कि भारत कभी राष्ट्र नहीं बन सकता। बल्कि यह एक कल्पना है। उसी कल्पना को आधार मानते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान के माध्यम से यह साकार करके दिखाया है। विदेशी शक्तियों का कहना था कि भारत में कभी लोकतंत्र सफल नहीं हो सकता। उनको 75 सालों में विश्व का सबसे सफल लोकतांत्रिक देश बनकर दिखाया है। जो लोग कहते थे भारत कभी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन सकता, उनको विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर दिखाया है। आशुतोष ने कहा कि जिस दशक में भारत आजाद हुआ तब कई और देश आजाद हुए, जिनकी सांस्कृतिक समानता के साथ हम ऐतिहासिक और भौगोलिक समानता रखते हैं।